6 नवम्बर 2026

शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण



त्योहार की भीड़ के बीच अपराधियों पर शिकंजा कसने की तैयारी, डुमरांव में पुलिस को एसडीपीओ की दो टूक

2

खबरें फटाफट

भारत गुयाना को 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देगा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आज एंटीगुआ और बारबुडा में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (सीएचओजीएम) के दौरान गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली से मुलाकात की। इस दौरान विदेश मंत्री ने गुयाना की विकास प्राथमिकताओं और अवसंरचना परियोजनाओं के समर्थन के लिए भारत द्वारा 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर की नई ऋण रेखा (लाइन ऑफ क्रेडिट) के विस्तार की भी घोषणा की। बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसई) विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति एवं स्थापना, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं (क्यूआईपी) के कार्यान्वयन के लिए अनुदान सहायता, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के क्षेत्र में सहयोग और गुयाना में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) जैसी प्रणाली का संचालन शामिल है।

उत्तर प्रदेश को किस दिशा में लेकर जाना है, आज फैसला लेना है : चिराग पासवान

वाराणसी। वाराणसी में जगतपुर स्थित जगतपुर इंटर कॉलेज में लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नव संकल्प कार्यक्रम में कहा कि बाबा विश्वनाथ की नगरी में कुछ सपने कुछ वादे लेकर आया हूं। आज हम लोगों को फैसला लेना है कि उत्तर प्रदेश को किस दिशा में लेकर जाना है।राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि मैंने अपने पिता रामविलास पासवान को देखा है, उन्होंने किस तरह से अपना जीवन अगली पीढ़ी के लिए बिताया है। फिर भी हम लोग आज भी मूलभूत व्यवस्थाओं के लिए जूझ रहे हैं। छोटी-छोटी सुविधा आज भी हम लोगों के लिए बड़ा संघर्ष बन जाती हैं। हम लोगों को कभी जाति के नाम पर ठुकराया गया, तो कभी धर्म के नाम पर ठुकराया गया।

पंजाब पीसीएस परीक्षा में भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच हो, भगवंत मान इस्तीफा दें : भाजपा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के पीसीएस मुख्य परीक्षा-2026 के नतीजों में सामने आई गंभीर अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान पर राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखकर पूरे मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच करवाने, चयन प्रक्रिया तत्काल रोकने और जांच पूरी होने तक सभी संबंधित रिकॉर्ड एवं साक्ष्यों को सुरक्षित करने की मांग की है।भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय प्रभारी एवं सांसद तरुण चुग ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल की बिना पैसे और बिना सिफारिश नौकरी देने का दावा करने वाली सरकार आज पंजाब की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़े कर रही है। जिस मुख्यमंत्री ने युवाओं को रोजगार के सपने दिखाकर सत्ता हासिल की, उसी के कार्यकाल में बार-बार पेपर लीक, भर्ती में धांधली और चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप सामने आ रहे हैं। भगवंत मान को बताना चाहिए कि आखिर पंजाब के युवाओं के साथ यह अन्याय कब



तक चलता रहेगा? चुग ने कहा कि 4 नवंबर की देर रात घोषित पीसीएस मुख्य परीक्षा के परिणाम ने पूरे पंजाब को झकझोर दिया है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि जिन उम्मीदवारों ने परीक्षा दी ही नहीं, उनके रोल नंबर तक सफल अभ्यर्थियों की सूची में दिखाई दे रहे हैं। एक ही परीक्षा केंद्र से 24.21 प्रतिशत अभ्यर्थियों का चयन, 86 उम्मीदवारों के लगातार तीन या चार रोल नंबरों के समूह में शॉर्टलिस्ट होने और कुछ परीक्षा कक्षों से 10 से 11 उम्मीदवारों के चयन जैसे गंभीर सवाल सामने आए हैं। 331 विज्ञापित पदों के मुकाबले केवल 751 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं, जबकि निर्धारित मानदंड के अनुसार तीन गुना उम्मीदवारों को बुलाए जाने की मांग की जा रही है। क्या यह महज संयोग है या फिर रोल नंबर आवंटन से लेकर परीक्षा केंद्र और परिणाम तक किसी विशेष व्यवस्था के तहत अपने चहेतों को लाभ पहुंचाया गया? इन सभी सवालों का जवाब भगवंत मान सरकार को देना होगाचुग ने कहा कि भगवंत मान सरकार ने पंजाब में योग्यता और मेहनत को पीछे धकेलकर सिफारिश और कथित सेटिंग की आशंकाओं को जन्म दिया है। पंजाब का युवा दिन-रात मेहनत करता है, परिवार अपनी जमीन, जमा-पूंजी और भविष्य की उम्मीदें उसकी पढ़ाई पर लगाता है, लेकिन जब परिणाम आता है तो उसे पता चलता है कि परीक्षा में शामिल नहीं होने वाले उम्मीदवारों के चयन तक के आरोप लग रहे हैं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि पंजाब के युवाओं के विश्वास पर सीधा हमला है। चुग ने स्पष्ट किया कि इस मामले की जांच पंजाब पुलिस या राज्य सरकार के नियंत्रण वाली एजेंसियों से करवाना पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि सवाल स्वयं सरकार के कार्यकाल और उसकी प्रशासनिक व्यवस्था पर उठ रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पीसीएस परीक्षा की सभी उत्तरपुस्तिका, उपस्थिति रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज, डिजिटल लॉग, रोल नंबर आवंटन, परीक्षा केंद्रों की जानकारी और मूल्यांकन रिकॉर्ड तत्काल सुरक्षित किए जाएं। जांच पूरी होने तक साक्षात्कार प्रक्रिया रोकी जाए तथा पीएसएसएशबी, फामेर्सी ऑफिसर, नायब तहसीलदार और अन्य विवादित भर्ती परीक्षाओं की भी स्वतंत्र जांच करवाई जाए।

एसआईआर के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार केंद्र सरकार

घुसपैठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेंगे, फिर देश से : अमित शाह



एजेंसी। चंडीगढ़

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की मतदाता सूची व इस देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। कांग्रेस तीन करोड़ घुसपैठियों को बचाने के लिए देशभर में रैलियां निकाल रही है। अमित शाह गुरुवार को करनाल में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' रैली को संबोधित कर रहे थे। अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती देते हैं, लेकिन देश के मुद्दों पर संसद में चर्चा करने से बचते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन राहुल गांधी अपनी और अपने साथियों की यह गारंटी दें कि वे संसद में इस मुद्दे पर चर्चा से भागेंगे नहीं। अमित शाह ने कहा कि घुसपैठियों को बचाने के लिए रैली करने वाली कांग्रेस 13 करोड़ वोट कटने का दावा करती है। जिसकी सच्चाई यह है कि 2.8 करोड़ मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। सवा छह करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो दूसरे राज्यों में शिफ्ट हो चुके हैं। देश में एक करोड़ मतदाता ऐसे हैं जिनके तीन से ज्यादा स्थानों पर वोट थे। तीन करोड़ मतदाता ऐसे हैं जो न तो चुनाव आयोग के सामने आ रहे हैं और न ही धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं घुसपैठियों को बचाने के लिए कांग्रेस सडकों पर है। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार इन घुसैपठियों को पहले मतदाता सूची से बाहर करेगी और फिर देश से बाहर करेगी। हाथ में संविधान लेकर चलने वाले संसद की बात सडक पर करते हैं। संवैधानिक संस्था का सबसे अधिक अपमान करते हैं। पार्टी कार्यकताओं को घर-घर जाकर कांग्रेस के खिलाफ अभियान तेज करने के निर्देश देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और देश की संवैधानिक संस्थाओं में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व खत्म हो रहा है। अमित शाह ने हरियाणा में नेता प्रतिपक्ष हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि 2024 में कांग्रेस ने लड्डू तो बनवाए लेकिन जीत भाजपा को मिली। इसके बाद महाराष्ट्र, बिहार व दिल्ली समेत कई राज्यों से कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो गया। गृहमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 व 2019 में एसआईआर नहीं थी, फिर भी कांग्रेस चुनाव हार गई। लगातार मिल रही हार से बौखलाकर कांग्रेसी एसआईआर के सिर ठीकरा फोड़ रहे हैं। इससे पहले गृह मंत्री का हरियाणा आने पर स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में भी कांग्रेस के पास आज कोई मुद्दा नहीं है। कांग्रेस के नेता झूठ का पहाड़ खड़ा करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं। हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता इस अभियान के तहत गांव-गांव जाकर लोगों को कांग्रेस के झूठ के बारे में बता रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, भाजपा प्रभारी स्मृति ईरानी, हरियाणा विधानसभा के स्पीकर हरविंद्र कल्याण के अलावा कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, कृष्ण बेदी, कृष्ण लाल पंवार, महिपाल ढांडा समेत कई नेता मौजूद थे।

मिशन 2027 के लिए एकजुट होकर कार्यकर्ता योद्धा की तरह करें काम : नितिन नवीन

एजेंसी। गोरखपुर



भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को गोरखपुर प्रवास के दौरान पार्टी पदाधिकारियों, पूर्व जनप्रतिनिधियों और एनडीए के घटक दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर मिशन 2027 की तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की सक्रियता और आपसी समन्वय को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों का प्रमुख आधार बताते हुए सभी से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए संगठन सर्वोपरि है। कार्यकताओं के अथक परिश्रम, समर्पण और निस्वार्थ सेवा के बल पर ही भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत के दम पर पार्टी ने पहले भी ऐतिहासिक चुनावी सफलताएं हासिल की हैं और आगे भी इसी सामूहिक प्रयास से विजय का नया इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि मिशन 2027 का चुनाव सभी कार्यकताओं को योद्धा बनकर लड़ना है। प्रत्येक कार्यकर्ता विजय के संकल्प के साथ संगठन के कार्यों में जुटे और केंद्र तथा प्रदेश सरकार की उपलब्धियों एवं विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाए। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित डबल इंजन सरकार के कार्यों को लेकर पार्टी जनता के बीच जाएगी। नितिन नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रगति और विकास में बाधा उत्पन्न करने वाली अराजकतावादी ताकतों को परास्त करने के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा।

दिल्ली में 3 मंजिला निमार्णाधीन बिल्डिंग गिरी, 2 की मौत

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में गुरुवार सुबह तीन मंजिला निमार्णाधीन इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हुए हैं। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, करीब 15 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक, घटना सुबह 9:50 बजे चावड़ी बाजार मेट्रो स्टेशन के पास गली सत्तारा में हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल की 6 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। एनडीआरएफ दिल्ली पुलिस और एमसीडी की टीमें भी रेस्क्यू और सर्च ऑपरेशन में जुटी हैं। एमसीडी ने मामले में दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इनमें असिस्टेंट इंजीनियर (बिल्डिंग) मोहम्मद नईम और जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग) अमन दलाल शामिल हैं। दिल्ली में इस साल इमारत गिरने का यह छठा बड़ा मामला है। इससे पहले 5 हादसों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें सत्य निकेतन और सीमापुरी हादसे शामिल हैं। जान गंवाने वालों में कई छात्र भी थे। एमसीडी के एक अधिकारी के मुताबिक, इमारत का निर्माण चल रहा था, लेकिन करीब 15 दिन पहले काम रोक दिया गया था। हादसे के समय मजदूर छत के नीचे लगे सपोर्ट सिस्टम को हटा रहे थे।





एक नजर

मेहनत को मिला सम्मान, किसान मेले में चमके बक्सर के प्रगतिशील किसान



- फल, फूल और सब्जियों की प्रदर्शनी में किसानों ने दिखाई अपनी हुनर और उन्नत खेती की झलक, उत्कृष्ट उत्पादों के लिए चयनित कृषक हुए सम्मानित

बक्सर। खेती को लाभकारी बनाने और किसानों के नवाचार एवं मेहनत को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संयुक्त कृषि भवन, बक्सर के प्रांगण में आयोजित दो दिवसीय किसान मेला-सह-फल, फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी गुरुवार को संपन्न हो गई। मेले के अंतिम दिन प्रदर्शनी में अपनी उत्कृष्ट कृषि उपज और बेहतर उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे किसानों ने अपने खेतों में उत्पादित फल, फूल और सब्जियों के आकर्षक नमूनों के माध्यम से अपनी कृषि प्रतिभा का परिचय दिया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि किसान अपनी मेहनत और अथक परिश्रम से न केवल अन्न का उत्पादन करते हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा को भी मजबूती प्रदान करते हैं। ऐसे में खेती के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले प्रगतिशील किसानों की पहचान कर उन्हें सार्वजनिक रूप से सम्मानित करना बेहद जरूरी है। इससे उनका उत्साह और मनोबल बढ़ता है तथा दूसरे किसानों को भी कुछ नया करने और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से आत्मा, बक्सर की ओर से फल, फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सभी प्रखंडों के प्रगतिशील कृषकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रदर्शनी में किसानों द्वारा लाए गए विभिन्न प्रकार के कृषि उत्पाद उनकी मेहनत, लगन और खेती के प्रति समर्पण को दर्शा रहे थे। कई प्रदर्श अपनी गुणवत्ता, आकार और आकर्षक प्रस्तुति के कारण विशेष रूप से सराहे गए। प्रदर्शनी में शामिल उत्पादों का मूल्यांकन गठित टीम द्वारा किया गया। मूल्यांकन के दौरान उत्कृष्टता के विभिन्न मानकों के आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले किसानों का चयन किया गया। इसके बाद उन्हें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को यह संदेश भी दिया गया कि परंपरागत खेती के साथ नई तकनीक, बेहतर बीज, वैज्ञानिक पद्धति और विविधीकृत कृषि को अपनाकर उत्पादन एवं आमदनी दोनों में वृद्धि की जा सकती है। दो दिवसीय आयोजन ने किसानों को अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित करने के साथ एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान किया।

दलदल और जलजमाव के बीच कैसे होगा छठ व्रतियों का अर्घ्यदान, ईओ ने लिया संज्ञान

- भैसहा नदी घाट की बदहाली पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने जताई नाराजगी, 12 नवंबर तक सभी घाटों को दुरुस्त करने का अल्टीमेटम; लापरवाही पर संवेदकों को कार्रवाई की चेतावनी

केटी न्यूज/डुमरांव

छठ महापर्व की तैयारियों के बीच डुमरांव नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र के कुछ घाटों की बदहाली ने प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खासकर सिमरी-पुराना भोजपुर मार्ग स्थित भैसहा नदी घाट पर जलजमाव और दलदल की स्थिति व्रतियों की मुश्किलें बढ़ा सकती है। घाट का बड़ा हिस्सा पानी में डूबा है और आसपास दलदल पसरा हुआ है। ऐसे में छठ के दौरान व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराना नगर परिषद के सामने बड़ी चुनौती बन गया है।

इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने विस्तारित क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों पर चल रहे सफाई, मिट्टी भराई, समतलीकरण और अन्य जरूरी कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर काम की धीमी रफ्तार और तैयारियों में कमी देखकर उन्होंने नाराजगी



जताई। संबंधित संवेदकों को तत्काल काम में तेजी लाने और निर्धारित समय के भीतर सभी कार्य पूरा करने की सख्त हिदायत दी। ईओ ने दो टूक कहा कि 12 नवंबर तक हर हाल में सभी छठ घाट तैयार कर नगर परिषद को सौंपने होंगे। समय-सीमा का उल्लंघन और कार्य में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि घाटों की तैयारी केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि व्रतियों की सुरक्षा और सुविधा से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। इसलिए निर्माण और साफ-सफाई में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

पानी का बहाव रुकने से बिगड़ी भैसहा घाट की स्थिति

भैसहा नदी घाट के निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने ईओ को बताया कि नया भोजपुर के समीप पानी का बहाव रोक दिए जाने के कारण नदी क्षेत्र में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हुई है। इससे घाट का काफी हिस्सा दलदल में तब्दील हो गया है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते पानी निकासी और दलदल की समस्या दूर नहीं की गई तो छठ व्रतियों को घाट तक पहुंचने में भारी परेशानी होगी। फिसलन और जलजमाव के कारण हादसे की आशंका भी बनी रहेगी।

स्थानीय लोगों की शिकायत पर ईओ ने मामले की गंभीरता को समझते हुए इसकी जानकारी वरीय अधिकारियों को दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अधिकारियों के सहयोग से जलजमाव की समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। घाट तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। नगर परिषद प्रशासन के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक ओर सभी घाटों को निर्धारित समय में तैयार करना है, तो दूसरी ओर भैसहा नदी घाट जैसी जगहों पर जलजमाव और दलदल की समस्या दूर कर व्रतियों के लिए सुरक्षित अर्घ्यदान की व्यवस्था सुनिश्चित करनी है। अब देखना होगा कि प्रशासन 12 नवंबर की समय-सीमा तक इन चुनौतियों से किस हद तक निपट पाता है।

त्योहार की भीड़ के बीच अपराधियों पर शिकंजा कसने की तैयारी, डुमरांव में पुलिस को एसडीपीओ की दो टूक



- दीपावली पर बाजारों से लेकर संवेदनशील इलाकों तक बढ़ेगी पुलिस की निगरानी, लंबित कांडों में सुस्ती पर थानेदारों से जवाब-तलब; चर्चित चोरी और गोलीकांड की जांच भी रडार पर

केटी न्यूज/डुमरांव

दीपावली की रौनक के बीच अपराधियों की सक्रियता और विधि-व्यवस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए डुमरांव अनुमंडल प्रशासन ने सुरक्षा का खाका तैयार कर लिया है। त्योहार के दौरान बाजारों में उमड़ने वाली भीड़, आभूषण दुकानों की सुरक्षा और खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। वहीं, त्योहार की तैयारियों के साथ ही अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर पुलिस महकमे की जवाबदेही भी तय की गई है।

भीड़भाड़ वाले इलाकों में बढ़ेगी पुलिस की सक्रियता

बैठक में बाजारों और प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के आसपास नियमित पुलिस गश्ती बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। भीड़भाड़ वाले स्थानों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस की पैनी नजर रखने का निर्देश दिया गया, ताकि छिनताई, चोरी और अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के मद्देनजर मिलावटखोरों पर भी निगरानी रखने की बात कही गई। अधिकारियों ने आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया। थानाध्यक्षों के साथ बैठक के बाद एसडीएम और एएसपी ने स्वर्ण व्यवसायियों के साथ भी अलग से बैठक की। उन्हें दुकानों में सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और किसी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई।

चर्चित कांडों में पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

त्योहार की सुरक्षा संबंधी बैठक के बाद एसडीपीओ भास्कर रंजन ने क्राइम मीटिंग कर अनुमंडल के विभिन्न थानों में दर्ज आपराधिक मामलों की समीक्षा की। इस दौरान लंबित कांडों की प्रगति, आरोपितों की गिरफ्तारी और अनुसंधान की स्थिति की थानावार जानकारी ली गई। डुमरांव के चर्चित गीता मोबाइल शॉप चोरीकांड और मसर्हिया गोलीकांड में कथित एकतरफा पुलिस कार्रवाई का मामला भी समीक्षा के केंद्र में रहा। इन मामलों में अब तक हुई कार्रवाई और अनुसंधान की प्रगति पर संबंधित थानाध्यक्षों से रिपोर्ट मांगी गई। इसके अलावा आपराधिक घटनाओं के उद्भेदन में कथित लापरवाही और शराब तस्करी पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाने को लेकर भी एएसपी ने जवाब-तलब किया। उन्होंने फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी करने और लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन करने का निर्देश दिया।

इसको लेकर गुरुवार को डुमरांव अनुमंडल कार्यालय के सभागार में एसडीएम राजीव कुमार और एसडीपीओ भास्कर रंजन की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानाध्यक्षों को दीपावली के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी

मुरार थानाध्यक्ष के निलंबन के बाद बढ़ी जवाबदेही

गौरतलब है कि पुलिसिया लापरवाही और कार्यशैली से जुड़े आरोपों के बीच मुरार थानाध्यक्ष नेहा कुमारी को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। उन पर अवैध हथियार के साथ पकड़े गए व्यक्ति के मामले में समुचित कार्रवाई नहीं करने का आरोप था। इसके अलावा महिला सिपाहियों के लिए बैरक में पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की शिकायत भी सामने आई थी। एसडीपीओ ने थानाध्यक्षों को दो टूक संदेश दिया कि गंभीर आपराधिक मामलों के अनुसंधान में लापरवाही और कर्तव्य के प्रति उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ अपराध नियंत्रण में भी पुलिस को परिणाम देना होगा। इस दौरान डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार समेत अनुमंडल के सभी थानों के थानाध्यक्ष व सर्किल इंस्पेक्टर मौजूद थे।

आर.के. सिन्हा के निधन से भाजपा परिवार में शोक, आशा पड़री में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि



- संस्थापक सदस्य से राज्यसभा सांसद और उद्योगपति तक का सफर रहा प्रेरणादायी, नेताओं ने कहा- राष्ट्रसेवा और समाजोत्थान के प्रति उनका समर्पण सदैव याद किया जाएगा

केटी न्यूज/सिमरी

भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं एसआईएस के संस्थापक रविन्द्र कुमार सिन्हा उर्फ आर.के. सिन्हा के निधन पर भाजपा ब्रह्मपुर विधानसभा के तत्वावधान में आशा पड़री में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बंशीधर पांडेय ने की। इस दौरान भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके व्यक्तित्व, संघर्ष तथा राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण को याद किया।

सभा को संबोधित करते हुए चक्की मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने कहा कि आर.के. सिन्हा जैसे कर्मठ और दूरदर्शी व्यक्तित्व विरले ही जन्म लेते हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन की मजबूती और समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनका जीवन संघर्ष, संकल्प और समर्पण की प्रेरक मिसाल है। उनका निधन संगठन और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। बगेन मंडल अध्यक्ष उदय उज्जैन ने कहा कि आर.के. सिन्हा का जीवन प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। भाजपा की स्थापना के दौर से ही उन्होंने संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक साधारण कार्यकर्ता से राज्यसभा सांसद और एसआईएस जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के संस्थापक तक का उनका सफर उनकी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण है। उनके विचारों और आदर्शों को अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

भाजपा नेता बबलू ओझा ने कहा कि पत्रकारिता, राजनीति, उद्योग और सामाजिक क्षेत्र में आर.के. सिन्हा ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

अंत में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनिल पांडेय, हरेंद्र ठाकुर, आतिश लाल, दिलीप मिश्रा, मनजी पासवान, लक्ष्मण श्रीवास्तव, वीरेंद्र पासवान, गुड्डू राय, प्रमोद साह, अरुण राय, किरण देवी, माया देवी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।



पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व प्रमुख सत्यनारायण दुबे, गांव को मिली विकास की चार सौगातें



- छठ पोखरा, पुस्तकालय, सिलाई सेंटर और जिम सेंटर का हुआ लोकार्पण, सांसद सुधाकर सिंह व विधायक शंभू नाथ यादव ने दी श्रद्धांजलि, बिहार-यूपी के खिलाड़ियों के बीच सजा वॉलीबॉल का मैदान

केटी न्यूज/सिमरी

पूर्व प्रखंड प्रमुख स्वर्गीय सत्यनारायण दुबे की स्मृति को गांव के विकास और जनकल्याण से जोड़ते हुए उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर पांडेयपुर में कई महत्वपूर्ण पहल की गई। गुरुवार को सिमरी प्रखंड की दुल्लहपुर पंचायत अंतर्गत पांडेयपुर गांव में आयोजित समारोह के दौरान छठ पोखरा, पुस्तकालय, सिलाई सेंटर और जिम सेंटर का लोकार्पण किया गया। इन सुविधाओं के शुरू होने से गांव में धार्मिक गतिविधियों के साथ शिक्षा, महिला स्वरोजगार और युवाओं की खेल एवं शारीरिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह और ब्रह्मपुर के राजद विधायक शंभू नाथ सिंह यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर इन विकास योजनाओं का उद्घाटन किया। इसके पूर्व अतिथियों और ग्रामीणों ने स्वर्गीय सत्यनारायण दुबे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण शामिल हुए।





धनतेरस पर बाजार में बरसेगी लक्ष्मी की कृपा, ग्राहकों के स्वागत को सजे प्रतिष्ठान

बर्तन से लेकर सोने-चांदी और इलेक्ट्रॉनिक्स तक की दुकानों में बढ़ी रौनक, मनपसंद सामान खरीदने को उमड़ेंगे ग्राहक, बेहतर कारोबार की उम्मीद में कारोबारियों ने की खास तैयारी

केटी न्यूज/डुमरांव

धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को डुमरांव का बाजार खरीदारी के उत्साह से गुलजार रहेगा। दीपावली से पहले धन और समृद्धि के इस पर्व को लेकर शहर के प्रमुख बाजारों में उत्सवी रंग चढ़ने लगा है। ग्राहकों की पसंद और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों को आकर्षक ढंग से सजाया है। कहीं



चमचमाते बर्तनों की कतार है तो कहीं सोने-चांदी के आभूषणों की चमक ग्राहकों को आकर्षित कर रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपयोग की वस्तुओं के बाजार में भी विशेष तैयारियां की गई हैं।

धनतेरस पर खरीदारी की परंपरा को देखते हुए कारोबारियों ने इस बार पहले से ही व्यापक इंतजाम किए हैं। बर्तन बाजार में स्टील, पीतल, तांबा और कांसे के बर्तनों की कई आकर्षक रेंज उपलब्ध कराई गई हैं। घरों में उपयोग होने वाले छोटे-बड़े बर्तनों के साथ पूजा-पाठ में इस्तेमाल होने वाले पात्र भी दुकानों की शोभा बढ़ा रहे हैं। वहीं, सराफा बाजार में सोने-चांदी के आभूषणों के अलावा सिक्के तथा लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाओं की मांग को देखते हुए विशेष स्टॉक मंगाया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार भी ग्राहकों को लुभाने के लिए तैयार है। मोबाइल फोन, एलईडी टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन सहित अन्य घरेलू उपकरणों की विभिन्न कंपनियों और मॉडलों की रेंज दुकानों में सजाई गई है। दुकानदारों को उम्मीद है कि धनतेरस पर लोग परंपरागत खरीदारी के साथ आधुनिक घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए भी बड़ी संख्या में बाजार पहुंचेंगे।

दरअसल, हिंदू धर्म में धनतेरस के दिन नई वस्तुओं की खरीदारी को शुभ और मंगलकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन सोना, चांदी, बर्तन अथवा अन्य उपयोगी सामान घर लाने से सुख-समृद्धि और खुशहाली का आगमन होता है। यही वजह है कि आर्थिक क्षमता और जरूरत के अनुसार लोग इस दिन कुछ न कुछ नया खरीदने की परंपरा निभाते हैं। कई ग्राहक पहले से ही दुकानों का चक्कर लगाकर सामान की कीमत और गुणवत्ता की जानकारी ले रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों ने अपनी पसंद की वस्तुओं की बुकिंग भी करा रखी है।

त्योहारी कारोबार को लेकर व्यापारियों में उत्साह

धनतेरस को लेकर व्यापारियों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। दुकानदारों का कहना है कि त्योहारी सीजन में बाजार की गतिविधियां तेज हुई हैं और धनतेरस पर बिक्री में और तेजी आने की उम्मीद है। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानों को आकर्षक रोशनी और सजावट से नया रूप दिया गया है। पर्याप्त स्टॉक की व्यवस्था भी की गई है, ताकि खरीदारी के दौरान ग्राहकों को अपनी पसंद का सामान चुनने में परेशानी न हो। धनतेरस के साथ ही दीपावली की तैयारियां भी जोर पकड़ने लगी हैं। घरों को रोशन और आकर्षक बनाने के लिए लोग दीये, झालर, रंग-बिरंगी लाइटें और सजावटी सामान खरीद रहे हैं। बाजारों में बढ़ती चहल-पहल से कारोबारियों को इस बार बेहतर व्यापार की उम्मीद बंधी है। अब सभी की निगाहें धनतेरस के दिन बाजार में उमड़ने वाली ग्राहकों की भीड़ और त्योहारी बिक्री पर टिकी हैं।

झारखंड से पहुंची बेटी ने मुखाग्नि देकर निभाई बेटा होने का फर्ज



केटी न्यूज/आरा

झारखंड से पहुंची एक बेटी के आंसुओं और चीख-पुकार से जगदीशपुर के तेंदुनी गांव गमगीन हो गया। दिल दहला देने वाले इस निर्मम दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है, जिससे हर तरफ मातम और कोहराम मचा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही मृतका की बेटी विभा कुमारी रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंची। उसने अपनी मां और छोटे भाई दोनों को नम आंखों और भारी मन से मुखाग्नि दी, जिसे देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। इस मर्मस्पर्शी और गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार के दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण और स्थानीय समाजसेवी मौजूद रहे। शोक में डूबे सभी लोगों ने एक स्वर में इस जघन्य हत्याकांड के सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की पुरजोर मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की धर-पकड़ के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही इस दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर सभी दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

जगदीशपुर डबल मर्डर केस: बड़े बेटे ने कीमती जमीन के लिए मां और छोटे भाई की कराई हत्या, 50 हजार में दी थी सुपारी

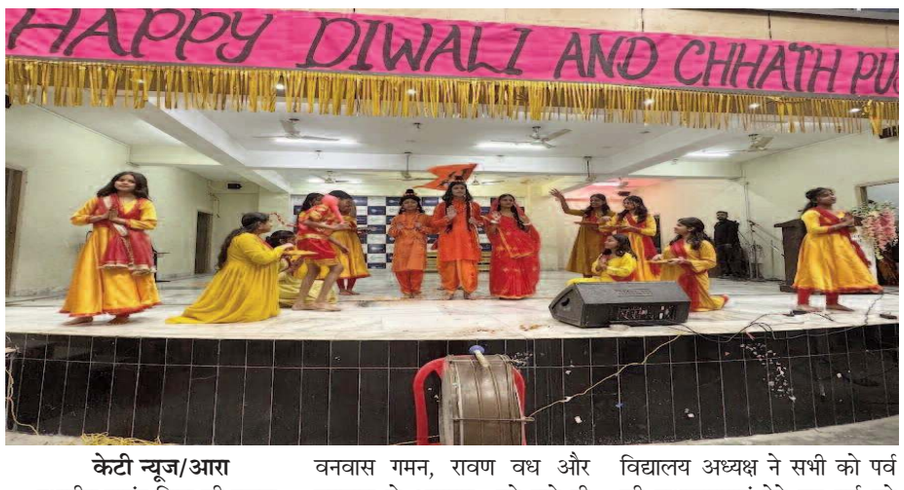
केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी गांव में मंगलवार की रात हुए मां-बेटे के दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा किया है. पुलिस के अनुसार, फोरलेन किनारे स्थित एक बीघा कीमती जमीन के विवाद में बड़े बेटे ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मां रामवती कुंवर (55) और छोटे भाई सुनील कुमार की हत्या की साजिश रची थी. वारदात को अंजाम देने के लिए बाहरी अपराधियों को 50 हजार रुपये एडवांस के तौर पर दिए गए थे. पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता बड़े बेटे दिनेश कुमार और उसकी पत्नी शांति देवी (28) को गिरफ्तार कर लिया है. मामले में कुल आठ लोगों की संलिप्तता सामने आई है. जगदीशपुर डीएसपी रवि कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी. इस दौरान जगदीशपुर इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष आशीष कुमार शाह भी मौजूद रहे. डीएसपी ने बताया कि तेंदुनी गांव में रामवती कुंवर और



उनके छोटे बेटे सुनील कुमार की हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और इसकी जानकारी एसपी को दी. पुलिस के अनुसार, परिवार के पास करीब चार से पांच बीघा पैतृक जमीन है. इसमें फोरलेन के किनारे स्थित एक बीघा जमीन काफी कीमती है. मृतका रामवती कुंवर अपने छोटे बेटे सुनील कुमार के साथ रहती थीं और उक्त जमीन उसके नाम करने की बात कहती थीं. इसी बात को लेकर बड़ा बेटा दिनेश कुमार मां और छोटे भाई से नाराज रहता था. पुलिस जांच में सामने आया है कि इसी पारिवारिक विवाद और जमीन के लालच में हत्या की साजिश रची गई. डीएसपी के मुताबिक, दिनेश कुमार और उसकी पत्नी शांति देवी ने मिलकर दोहरे हत्याकांड की साजिश रची थी. इसके लिए बाहरी शूटरों और अपराधियों को 50 हजार रुपये एडवांस के तौर पर दिए गए थे. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य साजिशकर्ता दिनेश कुमार और उसकी पत्नी शांति देवी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस का कहना है कि वैज्ञानिक अनुसंधान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की गई. आरोपितों से पूछताछ के दौरान हत्या की साजिश से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आईं. पुलिस अनुसंधान में अब तक इस हत्याकांड में कुल आठ लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है. इनमें मुख्य साजिशकर्ता बेटा दिनेश कुमार और उसकी पत्नी शांति देवी को गिरफ्तार किया जा चुका है. मृतका की बेटी के बयान पर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिसमें फिलहाल तीन लोगों को नामजद किया गया है. इसके अलावा एक अन्य आरोपी का नाम भी पुलिस जांच में सामने आया है. बाकी आरोपितों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है. एसपी के निर्देश पर हत्याकांड की जांच और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टास्क फोर्स (ळञ्ज) का गठन किया गया था. इसमें जगदीशपुर इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष आशीष कुमार शाह, एसआई विवेक कुमार, एसआई मोहन कुमार और एसआई रणवीर कुमार को शामिल किया गया है. डीएसपी रवि कुमार ने बताया कि जिला सूचना इकाई (ळ्रक्ष) और विशेष टास्क फोर्स की टीम लगातार छापेमारी कर रही है. इस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कार्रवाई तेज कर रही है. उन्होंने कहा कि मामले में शामिल सभी अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के कटघरे में खड़ा किया जाएगा।

माउंट लिट्रा जी विद्यालय में छठ पर्व दीपावली पर हुआ रंगारंग कार्यक्रम



केटी न्यूज/आरा

स्थानीय माउंट लिट्रा जी स्कूल, बामपाली के प्रांगण में दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर भव्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रार्थना तथा दिवाली के बधाई गीत से हुआ। इसके बाद बच्चों ने दीपावली और छठ पूजा पर आधारित एक से बढ़कर एक मनमोहक नृत्य, गीत और नाटक की प्रस्तुति दी। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति द्वारा श्री राम के वनवास गमन, रावण वध और वनवास से आगमन को बड़े ही सुंदर ढंग से मंच पर जीवंत किया। छठ पर्व के गीतों और नृत्यों से पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष श्रेयांश जैन, उपाध्यक्षा सुचिता जैन, प्राचार्या डॉ० सहाया मेरी, उप प्राचार्य विजय कुमार, प्रधानाध्यापक रत्नेश चौबे, जूनियर समन्वयक प्रियंका दत्ता, सभी शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यालय अध्यक्ष ने सभी को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए पर्व को शांति और सौहार्द से मनाने की अपील की। प्राचार्या ने सभी को दीपावली और छठ पूजा की शुभकामनाएं देते हुए मानव जीवन में इन पर्वों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। सभी बच्चों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

भाजयुमो द्वारा आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए प्रदेश प्रवक्ता अनिकेत झा

केटी न्यूज/आरा

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा भोजपुर द्वारा आरा विधानसभा में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिला अध्यक्ष बिभु जैन के नेतृत्व में युवा संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा मंडल महामंत्री रोहित रंजन और मंच संचालन युवा मोर्चा शिक्षा प्रकोष्ट के संयोजक डॉ विकाश गुप्ता ने किया । कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद ,डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तैल चित्र पर पुष्प अर्पित के साथ मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता अनिकेत झा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष बिभु जैन ओर कार्यक्रम के संयोजक निशांत सिंह सेंगर के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित और वंदे मातरम गीत के साथ किया गया। युवा संवाद कार्यक्रम में सम्मिलित युवा छात्र



छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर संवाद किया । सभी प्रश्नों का संवाद के माध्यम से किया गया । मुख्य अतिथि ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने युवाओं को पढ़ने के लिए योजनाएं चला रही है जिससे आप अपनी बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते है। स्वरोजगार के लिए केंद्र सरकार ने उद्योग विभाग के द्वारा युवाओं के लिए अवसर दिया जा रहा है। आप सभी अपने लक्ष्य को निर्धारित कर पूरी ईमानदारी के साथ उसे प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहें। इस कार्यक्रम के उपरांत जिला अध्यक्ष बिभु जैन के द्वारा युवाओं में बढ़ते नशाखोरी के खिलाफ युवाओं के बीच में नशामुक्ति जागरूकता शपथ ग्रहण भी लिया गया।ओर देश में विपक्ष द्वारा जो रक्फ को लेकर गलत दुशप्रचार किया जाय रहा उस विषय पर छात्र और छात्रों के बीच अपनी बातों को रखा वक्ताओं ने कहा कि रक्फ 1952 प्रथम चुनाव के समय से देश में लागू है,अभी तक 12 बार विशेष मतदाता पुनरीक्षण करवा गया जिसमें 10 बार कांग्रेस ने ही करवा है रक्फ के माध्यम से मृत मतदाता, घुसपैठिए का नाम , अवैध मतदाताओं का नाम हटाया जाता है।देश के नागरिक को वोट देने का पूर्ण अधिकार है। रक्फ से देश के घुसपैठिए को ही रुका जाता है। उक्त कार्यक्रम में आरा विधानसभा के सहप्रभारी राहुल तिवारी,युवा मोर्चा जिला मंत्री आकाश पांडे ,रवि पांडे ,डॉ मालती गुप्ता जी, वैभव,मुरारी, सत्य प्रकाश,अर्पिता,मोरीगंशी, दुर्गा,अमन ,रोहित इत्यादि सम्मिलित रहें।जिसकी जानकारी मीडिया प्रभारी अरिहंत विजय जैन ने दी

एक दिन में सजेगा क्रिकेट का रोमांच, 16 टीमों के बीच होगा दत्त क्लासेस प्रीमियर लीग का महासंग्राम

7 नवंबर को सुबह नौ बजे से शुरू होगी प्रतियोगिता, शाम चार बजे तक घोषित होगा परिणाम, चांदी के सिक्के से होगा टॉस, विजेता टीम को भी मिलेगा विशेष सिक्का

केटी न्यूज/बक्सर

क्रिकेट के मैदान पर हुनर दिखाने और अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए बक्सर में 7 नवंबर को युवा खिलाड़ियों का जमावड़ा लगेगा। दत्त क्लासेस की ओर से आयोजित दत्त क्लासेस प्रीमियर लीग (डीपीएल) को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस एकदिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। खास बात यह है कि प्रतियोगिता का पूरा रोमांच एक ही दिन में देखने को मिलेगा और शाम तक विजेता टीम के



साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, गेंदबाज और क्षेत्ररक्षक के नामों की भी घोषणा कर दी जाएगी।

प्रतियोगिता में बक्सर के अलावा भोजपुर जिले और उत्तर प्रदेश की टीमें भी अपनी चुनौती पेश करेंगी। मुकाबलों की शुरूआत सुबह नौ बजे उद्घाटन समारोह के साथ होगी, जबकि आयोजन शाम करीब चार बजे तक चलेगा। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह है। आयोजन में कई गणमान्य लोगों के शामिल होने की भी संभावना है।

डीपीएल का एक विशेष आकर्षण चांदी का सिक्का होगा। इसी सिक्के के माध्यम से मैचों में टॉस कराया जाएगा। इतना ही नहीं, विजेता टीम को पुरस्कार स्वरूप यही चांदी का सिक्का प्रदान किया जाएगा। आयोजन समिति प्रतियोगिता को यादगार बनाने के लिए विशेष इंतजाम कर रही है।

दत्त क्लासेस के निदेशक अविनाश दत्त ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य सिर्फ क्रिकेट मुकाबले कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को एक बेहतर मंच उपलब्ध कराना भी है। कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी संसाधनों और उचित अवसर के अभाव में आगे नहीं बढ़ पाते हैं। डीपीएल ऐसे खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और पहचान बनाने का अवसर देगा। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आपसी सहयोग और आत्मविश्वास जैसे गुण विकसित होते हैं। खेलकूद से मिलने वाली ऊर्जा विद्यार्थियों को पढ़ाई में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। संस्थान का उद्देश्य शैक्षणिक विकास के साथ विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास को भी समान महत्व देना है। आयोजन को लेकर बबलू, चीकू, अभय, दानिश, रोनित, राजकुमार समेत कई छात्र सक्रिय हैं।

आरा-सासाराम एनएच-119अ परियोजना: जिनकी जमीन ली गई, उन्हें कब मिलेगा मुआवजा? डीएम ने दिया निर्देश

केटी न्यूज/आरा

सासाराम राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-119A) परियोजना के लिए अधिग्रहित जमीन के मुआवजा भुगतान की प्रगति की समीक्षा की गयी. जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने जिले में चल रहे भू-अर्जन कार्यों की समीक्षा बैठक की. इसमें हाईवे परियोजना के लिए अर्जित भूमि के मुआवजे से जुड़े मामलों पर विशेष रूप से चर्चा हुई. डीएम ने संबंधित अधिकारियों को भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया. समीक्षा के दौरान उन मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिनमें भूमि अभिलेखों की कमी के कारण मुआवजे का भुगतान लंबित है.



डीएम ने संबंधित अंचलाधिकारियों को आवश्यक जमीन के दस्तावेज जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. उन्होंने अभिलेखों का सत्यापन कर पात्र रैयतों को मुआवजे का भुगतान सुनिश्चित करने पर जोर दिया. जिलाधिकारी ने कहा कि मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए. जिन रैयतों के दस्तावेज सही पाए जाते हैं, उनके भुगतान से जुड़े मामलों का जल्द निपटारा किया जाए. इसके लिए जिला भू-अर्जन कार्यालय और संबंधित अंचलों के बीच समन्वय बनाकर काम करने पर जोर दिया गया. बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी के साथ पथ निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे. वहीं, अनुमंडल पदाधिकारी और संबंधित अंचलाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए. बैठक में भू-अर्जन और मुआवजा भुगतान से जुड़े लंबित मामलों की प्रगति पर चर्चा की गयी. भू-अर्जन से जुड़े जिन मामलों में जमीन के दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, उनमें संबंधित अंचलों से अभिलेख प्राप्त कर उनका सत्यापन किया जायेगा. इसके बाद पात्र जमीन मालिकों को मुआवजा देने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी. डीएम के निर्देश के बाद अब लंबित मामलों के निपटारे और भुगतान की गति पर नजर रहेगी।

भोजपुर के 45 गांवों को मिलेंगे 20 लाख रुपये, डीएम ने दिए निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के आदर्श ग्राम घटक के तहत भोजपुर जिले के 14 प्रखंडों में कुल 48 गांवों का चयन किया गया है. इन गांवों में विकास कार्यों के लिए तैयार ग्राम विकास योजनाओं की समीक्षा को लेकर जिला स्तरीय मूल्यांकन सह अभिसरण समिति की बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने की. चयनित 48 गांवों में से 45 गांवों की योजनाएं संबंधित ग्राम सभाओं से अनुमोदन के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारियों के माध्यम से प्राप्त हुई थीं. बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी ने बताया कि आदर्श ग्राम घटक शत-प्रतिशत केंद्र प्रायोजित योजना है. इसके तहत चयनित गांवों में विभिन्न विभागों की योजनाओं के अभिसरण से विकास कार्य कराये जायेंगे. विकास से जुड़ी शेष जरूरतों को पूरा करने के लिए गैप फिलिंग के तहत केंद्र सरकार की ओर से प्रति गांव 20 लाख रुपये उपलब्ध कराये जायेंगे. समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी को सर्वेक्षण के आंकड़े और ग्राम विकास योजनाएं सभी संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारियों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने विभाग की योजनाओं की समीक्षा और सत्यापन कर दो दिनों के भीतर जिला कल्याण कार्यालय को रिपोर्ट सौंपने को कहा गया. यदि ग्राम विकास योजना में किसी संशोधन की जरूरत होती है, तो उसका प्रस्ताव भी रिपोर्ट में शामिल करना होगा, ताकि संशोधित योजना को ग्राम सभा से अनुमोदित कराया जा सके. सभी चयनित गांवों में विशेष ग्राम सभा आयोजित कराने का निर्देश दिया. इन ग्राम सभाओं में विभिन्न विभागों से प्राप्त संशोधन प्रस्तावों को अनुमोदन के लिए रखा जाएगा. इसके बाद ग्राम विकास योजनाओं को आवश्यक संशोधनों के साथ आगे बढ़ाया जा सकेगा।

एक नजर

शारदा सिन्हा के सुरों में आज भी धड़कती है बिहार की सांस्कृतिक आत्मा : नीतीश कुमार

एजेंसी। पटना

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार कोकिला स्वर्गीय शारदा सिन्हा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बिहार की धरती और संगीत प्रेमियों के हृदय में उनकी स्मृतियां हमेशा अमर रहेंगी। नीतीश कुमार ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि शारदा सिन्हा ने अपनी मधुर आवाज और विलक्षण गायन प्रतिभा से बिहार की लोक संस्कृति एवं संगीत परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। विशेषकर छठ महापर्व पर उनके द्वारा गाए गए गीत आज भी बिहार सहित देश के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धा और आस्था के साथ गूंजते हैं। उन्होंने कहा कि शारदा सिन्हा की आवाज बिहार की मिट्टी, लोकआस्था और सांस्कृतिक विरासत की पहचान बन चुकी है। उनके गीतों में हमारी परंपराओं की आत्मीयता और लोकजीवन की मिठास समाहित है। संगीत जगत में उनके अतुलनीय योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

विद्युत ट्रांसफॉर्मर, पोल एवं तारों के आसपास न करें अतिक्रमण, सुरक्षा नियमों का करें पालन : ई. अमित कुमार



सहरसा। विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्युत विभाग ने लोगों से बिजली के ट्रांसफॉर्मर, पोल एवं विद्युत तारों के आसपास अतिक्रमण नहीं करने की अपील की है। इस संबंध में विद्युत कार्यपालक अभियंता, सहरसा ई. अमित कुमार ने कहा कि विद्युत ट्रांसफॉर्मर, बिजली के पोल एवं तारों के आसपास किसी भी प्रकार का अतिक्रमण करना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इन स्थानों पर खेलना, कूड़ा-कचरा फेंकना, दुकान लगाना अथवा अस्थायी निर्माण करना गंभीर विद्युत दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर सकता है। इससे संबंधित व्यक्ति के साथ-साथ आसपास रहने वाले लोगों की जान-माल को भी खतरा हो सकता है। उन्होंने बताया कि विद्युत उपकरणों एवं बिजली लाइनों के आसपास अनधिकृत गतिविधियों से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होती है। ऐसे अतिक्रमण जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। इसके अलावा, नियमों का उल्लंघन करने वाले संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। विद्युत कार्यपालक अभियंता ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि ट्रांसफॉर्मर, बिजली के पोल एवं तारों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। विद्युत उपकरणों के नीचे कूड़ा-कचरा नहीं डालें और न ही वहां किसी प्रकार का अतिक्रमण करें। उन्होंने कहा कि विद्युत सुरक्षा केवल विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। थोड़ी-सी सावधानी और जागरूकता से बड़ी विद्युत दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। इसलिए सभी लोग विद्युत सुरक्षा नियमों का पालन करें और स्वयं के साथ दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें।

बिहार में ट्रैफिक चालान भरना हुआ आसान, अब गुगल पे, फोन पे और पेटीएम से कर सकेंगे भुगतान

एजेंसी। पटना

बिहार में ट्रैफिक चालान जमा करने के लिए अब वाहन मालिकों को परेशान नहीं होना पड़ेगा. परिवहन विभाग जल्द ही चालान भुगतान की सुविधा को डिजिटल पेमेंट एप से जोड़ने जा रहा है. इसके बाद लोग गुगल पे, फोन पे, पेटीएम और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए घर बैठे अपने ट्रैफिक चालान की राशि जमा कर सकेंगे. इसके लिए भारत बिल पेमेंट सिस्टम प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है, जिसे 16 नवंबर से लाइव करने की तैयारी है. परिवहन विभाग की ओर से गुरुवार को बीबीपीएस प्लेटफॉर्म का डेमोस्ट्रेशन किया गया. इस दौरान अधिकारियों ने निर्धारित समय पर प्लेटफॉर्म को शुरू करने और डिजिटल भुगतान से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया. विभाग की डिजिटल भुगतान व्यवस्था को इस प्लेटफॉर्म से जोड़ने के लिए नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर के माध्यम से एपीआई इंटीग्रेशन का काम पूरा कर लिया गया है. भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधियों ने बैठक में बताया कि प्लेटफॉर्म की टेस्टिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है. अब इसे 16 नवंबर से शुरू करने की योजना है. इसके लाइव होते ही वाहन चालक अपने पसंदीदा डिजिटल पेमेंट एप के जरिए ट्रैफिक चालान का भुगतान कर सकेंगे. बीबीपीएस प्लेटफॉर्म शुरू होने के



बाद वाहन मालिकों को चालान भरने के लिए अलग-अलग प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ेगा. वे अपने मोबाइल फोन से ही गुगल पे, फोन पे और पेटीएम जैसे एप के माध्यम से भुगतान कर सकेंगे. इससे लोगों को चालान जमा करने के लिए किसी कार्यालय जाने या निर्धारित पोर्टल पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं होगी. परिवहन सचिव राज कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता परिवहन सेवाओं को तकनीक आधारित, पारदर्शी और आम लोगों के लिए सुविधाजनक बनाना है. बीबीपीएस के माध्यम से ट्रैफिक चालान भुगतान की सुविधा शुरू होने से वाहन मालिकों को काफी सहूलियत मिलेगी. लोग घर बैठे अपने पसंदीदा डिजिटल पेमेंट एप से चालान की राशि जमा कर सकेंगे. राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने बताया कि फिलहाल इस प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रैफिक चालान भुगतान की सुविधा शुरू की जा रही है. विभाग की योजना आने वाले दिनों में परिवहन विभाग से जुड़ी अन्य भुगतान सेवाओं को भी बीबीपीएस प्लेटफॉर्म से जोड़ने की है. उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक सेवाओं को डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराया जाए, ताकि आम नागरिकों को एक ही प्लेटफॉर्म के जरिए अलग-अलग सेवाओं का भुगतान करने में आसानी हो. इससे परिवहन विभाग की भुगतान व्यवस्था पहले से अधिक सरल और सुविधाजनक बन सकेगी।

रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गांवों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता : सम्राट चौधरी



एजेंसी। पटना

विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) को लेकर गुरुवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की उपलब्धता बढ़ाने के साथ गांवों का समग्र एवं संतुलित विकास सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी जी राम जी मिशन के तहत ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी है। केंद्र एवं राज्य सरकार के बीच 60:40 के अनुपात में वित्त पोषण की व्यवस्था होगी। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर अर्थात 15 दिनों में मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी जी राम जी मिशन के तहत गांवों के समग्र विकास एवं ग्रामीण रोजगार के लिए 22,000 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं को शामिल करें। आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण में 12 लाख रुपए खर्च किये जायेंगे। साथ ही अतिरिक्त 02 लाख रुपए आंगनबाड़ी केन्द्रों के साज-सज्जा, पठन-पाठन सामग्री, फर्नीचर आदि पर खर्च किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि वीबी जी राम जी मिशन के तहत अभी तक 1.5 लाख योजनायें ली गई हैं, इनकी संख्या बढ़ाकर 3 लाख करें। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी गांवों में मुलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये उन सभी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें, इसके लिए संबंधित विभाग समन्वय करें, जिलाधिकारी इसकी सतत निगरानी करें। आंगनबाड़ी, स्कूल, हेल्थ केयर सेंटर, ग्रामीण हाट, वृक्षारोपण कार्य, जल संरक्षण, विद्यार्थियों के लिए खेल मैदान का निर्माण सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं को पूर्ण करने के लिए तेजी से काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को विकसित करने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए। इसके तहत जल सुरक्षा, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संवर्द्धन तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित चार प्रमुख श्रेणियों में कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने योजनाओं के चरणबद्ध क्रियान्वयन के साथ कार्यों की निगरानी में तकनीक के अधिकाधिक उपयोग तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सामाजिक अंकेक्षण की प्रभावी व्यवस्था और जनशिकायतों के त्वरित निवारण पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने 'सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान' के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत आधारभूत संरचनाओं के निर्माण एवं विकास को विशेष प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य में जल संरक्षण को लेकर कहा कि नहरों, जलाशयों एवं अन्य जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार आवश्यक है। इन संरचनाओं की मरम्मती एवं पुनर्स्थापन के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को इन कार्यों की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया, ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो सके। उन्होंने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को जल संरक्षण एवं वनीकरण के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने भू-जल स्तर को बनाए रखने तथा भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जल संरक्षण से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वृक्षारोपण एवं जल संचयन के कार्यों को समन्वित रूप से आगे बढ़ाया जाए। बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, भवन निर्माण मंत्री लेशी सिंह, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव सीके अनिल सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गयाजी एयरपोर्ट पर बड़ी कार्रवाई, थाईलैंड से आईं पंजाब की दो महिलाएं 10 करोड़ के गांजे के साथ गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

बिहार के गयाजी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने नशे की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. थाईलैंड से आई दो महिलाओं के पास से करीब 10 किलोग्राम मारिजुआना (गांजा) बरामद किया गया है. बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड़ रुपये आंकी गई है. दोनों महिलाएं पंजाब की रहने वाली हैं और चार अलग-अलग बैग में गांजे की खेप छिपाकर ला रही थीं. कस्टम विभाग ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह थाईलैंड से थाई एयरवेज की फ्लाइट गयाजी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंची थी. इसी फ्लाइट से पंजाब की दोनों महिलाएं भी बिहार आई थीं. विमान से उतरने के बाद दोनों अपने सामान के साथ एयरपोर्ट से बाहर निकलने की प्रक्रिया में थीं. इसी दौरान कस्टम विभाग की ओर से यात्रियों के सामान की नियमित जांच की जा



रही थी. सामान की एक्स-रे जांच के दौरान दोनों महिलाओं के बैग में कुछ संदिग्ध दिखाई दिया. इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और दोनों महिलाओं को रोककर उनके सामान की जांच की गई. शुरूआती पूछताछ के बाद जब चारों बैग की गहन तलाशी ली गई तो उसमें छिपाकर रखी गई करीब 10 किलो गांजे की खेप बरामद हुई. जांच के दौरान पता चला कि दोनों महिलाएं चार अलग-अलग बैग में मादक पदार्थ लेकर पहुंची थीं. बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड़ रुपये बताई जा रही है. इतनी बड़ी मात्रा में गांजा मिलने के बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा और जांच एजेंसियां सक्रिय हो गईं. गांजे की बरामदगी के बाद कस्टम विभाग ने दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया और मादक पदार्थ को जब्त कर लिया. फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि थाईलैंड से गांजे की यह खेप किसके कहने पर लाई गई थी और बिहार में इसे कहां पहुंचाया जाना था. जांच एजेंसियां अब दोनों महिलाओं के संपर्कों और उनके संभावित नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं. यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस तस्करी के पीछे कोई बड़ा गिरोह तो सक्रिय नहीं है. एजेंसियां यह जानने की कोशिश कर रही हैं कि अंतरराष्ट्रीय हवाई मार्ग से गांजे की खेप लाने की इस पूरी योजना में और कौन-कौन लोग शामिल हैं. फिलहाल कस्टम विभाग की ओर से मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बकाया वेतन का भुगतान शीघ्र कराने की मांग को लेकर सफाईकर्मियों ने डीएम को सौपा ज्ञापन

केटी न्यूज/सहरसा

जिले के सलखुआ प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत सफाईकर्मियों एवं सुपरवाइजर को करीब दस माह का वेतन नहीं मिलने से सफाई कर्मचारी आक्रोशित होकर गुरुवार को प्रभारी जिलाधिकारी को सौपा। इस संबंध में इंटेलिजिक सॉल्यूशन कंपनी के माध्यम से सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत राकेश कुमार ने कर्मियों के साथ जिलाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को आवेदन देकर पर्व के मद्देनजर बकाया वेतन का भुगतान शीघ्र कराने की मांग की है।जिला शिक्षा पदाधिकारी के नाम दिये आवेदन में राकेश कुमार ने बताया है कि उन्हें सलखुआ प्रखंड के विद्यालयों में सफाईकर्मियों के कार्यों की देखरेख के लिए सुपरवाइजर के पद पर नियुक्त किया गया था। लेकिन जून 2025 से मार्च 2026 तक कंपनी द्वारा किसी भी विद्यालय के सफाईकर्मियों एवं सुपरवाइजर के वेतन का भुगतान नहीं किया गया



है।इसके कारण संबंधित कर्मियों के समक्ष भूखे मरने की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। उन्होंने बताया कि वह स्थानीय निवासी हैं. ऐसे में सफाईकर्मी लगातार उनसे अपने बकाया वेतन की मांग करते हैं। वेतन भुगतान नहीं होने के कारण कुछ कर्मियों द्वारा उनके साथ अमर्यादित व्यवहार किया जा रहा है। जबकि कुछ लोगों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कंपनी से संपर्क करने पर बार-बार यह बताया जाता है कि शिक्षा विभाग की ओर से अभी तक वेतन मद की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इस कारण कंपनी कर्मियों का वेतन भुगतान नहीं कर पा रही है. राकेश कुमार ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से पूरे मामले की अपने स्तर से जांच कराने एवं संबंधित सफाईकर्मियों एवं सुपरवाइजर के बकाया वेतन का भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की. आवेदन की प्रतिलिपि प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सलखुआ को भी भेजी गयी है।इस मौके पर राधे पंडित,वीणा देवी,उषा देवी,ममता देवी, सुनीता देवी, रानी देवी, रंजीत मलिक, सुविता देवी, जमीदा खातून, सुलेखा देवी, संजीत ठाकुर, करण मल्लिक, पंकज राम, भुपेन्द्र यादव, सूरज कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

धनतेरस पर सुपौल का बाजार गुलजार,बर्तन, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़

केटी न्यूज/सुपौल

धनतेरस को लेकर गुरुवार को सुपौल शहर का बाजार पूरी तरह गुलजार नजर आया। दीपावली की तैयारियों के बीच धनतेरस पर खरीदारी करने के लिए सुबह से ही शहर के विभिन्न बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। बर्तन, सोना-चांदी, इलेक्ट्रॉनिक्स, बाइक, फर्नीचर और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। बाजार में बढ़ी रौनक से दुकानदारों के चेहरे भी खिले नजर आए। वहीं, दूसरी ओर खरीदारों की भारी भीड़ के कारण शहर की यातायात व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया और कई प्रमुख चौक-चौराहों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। धनतेरस के अवसर पर परंपरा के अनुसार बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य घरेलू सामान



खरीदने को शुभ माना जाता है। इसी को लेकर लोग अपनी पसंद और बजट के अनुसार खरीदारी करते दिखाई दिए। खासकर बर्तन की दुकानों पर स्टील, पीतल, तांबा और कांसे के बर्तनों की मांग देखी गई। वहीं, आभूषण दुकानों में सोने-चांदी के सिक्के, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां और चांदी के छोटे आभूषण खरीदने के लिए ग्राहक पहुंचे। इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। लोग टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, मोबाइल और अन्य घरेलू उपकरणों की खरीदारी करते नजर आए। इसके अलावा बाइक और दोपहिया वाहनों के शोरूम में भी धनतेरस को लेकर विशेष तैयारी की गई थी। बाजार में दीपावली की सजावट से संबंधित सामान, रंग-बिरंगी लाइटें, झालर, दीये, मोमबत्तियां और पूजन सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। मिठाई और फूल-माला की दुकानों पर भी त्योहार को लेकर चहल-पहल बनी रही। शहर के पोस्ट ऑफिस के समीप, महावीर चौक और गुजरी बाजार में सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। इन इलाकों में खरीदारों के साथ-साथ वाहनों की आवाजाही बढ़ने से जाम की समस्या गंभीर हो गई। कई जगह स्थिति ऐसी रही कि लोगों को पैदल चलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ा। बाजार में खरीदारी करने पहुंचे लोगों को थोड़ी दूरी तय करने में भी काफी समय लग रहा था। सड़क किनारे और दुकानों के सामने बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों ने भी परेशानी बढ़ाई। यातायात व्यवस्था को संभालने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। पोस्ट ऑफिस के पास एक महिला पुलिसकर्मी को भी यातायात नियंत्रण की जिम्मेदारी दी गई है। इसके बावजूद वाहनों और लोगों की अत्यधिक भीड़ के कारण व्यवस्था संभालने में कठिनाई हो रही है। खासकर महावीर चौक पर बार-बार जाम लगने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। यातायात पुलिस बल की तैनाती के बावजूद जाम की समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धनतेरस और दीपावली के मौके पर बाजार में हर साल भीड़ बढ़ती है। ऐसे में प्रशासन को पहले से ही यातायात व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम करने चाहिए। प्रमुख चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ बड़े वाहनों के प्रवेश और पार्किंग की उचित व्यवस्था की जरूरत है।

स्लम एरिया के बच्चों के बीच रौशन माधव ने मनाई दीपावली, बांटी मिठाई और पटाखे

केटी न्यूज/सहरसा

प्रकाश पर्व दीपावली के अवसर पर युवा समाजसेवी रौशन माधव ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्लम एरिया के परिवारों एवं बच्चों के बीच दीप, मिठाई और अन्य सामग्री वितरित कर खुशियां बांटीं। इस दौरान उन्होंने बच्चों के बीच मोमबत्ती, फूलझड़ी, मिठाई, बिस्कुट और चॉकलेट का वितरण किया। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

इस अवसर पर रौशन माधव ने कहा कि दीपावली प्रकाश और खुशियों का पर्व है। आइए, इस दीपावली वहां भी दीप जलाएं, जहां सदियों से अंधेरा है। समाज के जरूरतमंद और वंचित परिवारों के साथ त्योहार मनाने से जो आत्मिक शांति मिलती है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।



उन्होंने कहा कि त्योहारों की असली खुशी तभी है, जब हम अपनी खुशियों में उन लोगों को भी शामिल करें, जिन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत है।

गौरतलब है कि रौशन माधव पिछले कई वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा में लगातार जुटे हुए हैं। रोटी बैंक के माध्यम से दिव्यांगों को भोजन उपलब्ध कराने से लेकर स्लम एरिया के बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण और विभिन्न त्योहारों पर जरूरतमंद परिवारों के साथ खुशियां बांटने तक, उनका सेवा कार्य निरंतर जारी है।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें..



एजेंसी। नई दिल्ली

दीपावली की आहट सुनाई देने लगी है। घर-दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ-सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर-परिवार की महिलाओं-कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भों में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम ?1 लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गयॉ था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते-चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है।भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है। इसका असर यह हुआ है कि अब लखपति दीदियों के काम करने का दायरा भी बढ़ा है। अब वे एक साथ करीब-करीब दो-दो काम कर रही है। इस अध्ययन के मुताबिक एक लखपति दीदी की कामयाबी से दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने भी समूह बनाकर इस योजना का फायदा उठाया और अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर की। घर की लक्ष्मी भले ही महिला को माना जाता रहा हो, लेकिन पारंपरिक परिवारों के अहम फैसलों में महिलाओं की राय की भूमिका कम रही है। लेकिन लखपति दीदियों की राय को पारिवारिक फैसलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईआईएम के अध्ययन के अनुसार 36 प्रतिशत से ज्यादा लखपति दीदियों का कहना है कि पारिवारिक मामलों में उनकी राय का वजन बढ़ा है, साथ ही करबी 30.5 प्रतिशत दीदियों का मानना है कि उन्हें इस योजना के जरिए आर्थिक स्वायत्तता मिली है। आईआईएम अहमदाबाद की अध्ययन रिपोर्ट बताती है कि इस योजना से ग्रामीण समाज में भी बदलाव दिख रहा है। मराठी की एक कहावत है कि एक शिक्षित महिला के चलते सात पीढ़ियों तक शिक्षा का बदलाव दिखता है। कुछ इसी तर्ज पर कह सकते हैं कि लखपति दीदी योजना के चलते भारतीय समाज बदलाव के नए दौर में कदम रख चुका है। सोचिए अगर देश की छह करोड़ महिलाएं सालाना कम से कम एक लाख रूपए की आय वाली होंगी तो इसका क्या असर होगा। निश्चित तौर पर छह करोड़ परिवार गरीबी रेखा की सीमा को कुछ और फांद जाएंगे। लक्ष्मी पूजन के मौके पर लखपति दीदी योजना को इस रूप में भी देखा जाना चाहिए।

हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया।

भाजपा की पदयात्रा में तिरंगा थामे आगे बढ़े मुख्यमंत्री योगी, बोले कांग्रेस -सपा देश के विकास में रोड़े अटका रहें, अराजकता बढ़ा रहें

♦ गाजियाबाद में बनेगा उत्तराखण्ड भवन: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गाजियाबाद में भाजपा द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री योगी मंच पर पहुंचे और कांग्रेस समेत विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उनका भाषण शुरू होते ही लोगों ने भगवान राम, हनुमान, कृष्ण और महादेव के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री योगी ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। इस बीच योगी ने अयोध्या राम मंदिर



निर्माण के लिए किए गए संघर्ष को याद करते हुए समाजवादी पार्टी को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी की एक ऐसे स्कूली छात्र है, जो बार-बार परीक्षा में फेल होता है और हर बार नए बहाने बनाता है। कभी सिलेबस न जानने का, कभी कॉपी बदले जाने का, तो कभी पेन की स्याही खत्म होने का। सीएम योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक अराजकता से देश के लोकतंत्र को कमजोर कर रही है और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक लोकतंत्र के प्रति जागरूक है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल अपनी हार स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। इस दौरान क्षेत्रीय विकास पर बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने गाजियाबाद में उत्तराखण्ड भवन के निर्माण की घोषणा की और क्षेत्र के चौमुखी विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि सपा ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। कांग्रेस ने मंदिर निर्माण की राह में रोड़े अटकाये थे। फिर भी आज अयोध्या में त्रेतायुग का रामयुग आ गया है। उन्होंने दावा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके कार्यकाल में 4 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री आवास मुहैया कराए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन के खिलाफ दूधेश्वर नाथ की जमीन पर इकट्ठा हुए है। कांग्रेस स्वार्थ के लिए दुनिया के सबसे प्राचीन लोकतंत्र पर सवाल उठा रही है। भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना कांग्रेस का काम हो गया है। ये वही कांग्रेस है जिसने 1975 में आपातकाल लागू किया। ऐसे लोगों का लोकतंत्र की बात करना हास्यास्पद लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को मौके मिला तो कॉमनवेल्थ, कोल, समेत लाखों करोड के घोटाले और सुरक्षा को सेंध लगाने के बाद जनता में विश्वास खो दिया। मोदी सरकार में भारत की बदलती तस्वीर को देखा है। 2014 से पहले आतंकवाद नक्सलवाद, भ्रष्टाचार था। अब इससे मुक्त है। भारत आज टॉप-4 अर्थव्यवस्था में है। कांग्रेस और उनके सहयोगी आज सिर्फ बैरियर बनना चाहते हैं और सुरक्षा को सेंध लगने के बाद जनता में विश्वास खो दिया। मोदी सरकार में भारत की बदलती तस्वीर को देखा है। 2014 से पहले आतंकवाद नक्सलवाद, भ्रष्टाचार था। अब इससे मुक्त है। भारत आज टॉप-4 अर्थव्यवस्था में है। कांग्रेस और उनके सहयोगी आज सिर्फ बैरियर बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कांग्रेस और उसके सहयोगी दल के दिल्ली में प्रदर्शन के पीछे कारण क्या है। एक ही कारण है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत ने पहचान बनार्ड है, विरासत और विकास की यात्रा को शानदार तरीके से आगे बढाने का काम किया है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल सिर्फ कटघरे में खड़ा करके रुकावट बनना चाहते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस के युवराज की स्थिति ये हो गई है कि वह बार-बार फेल हो जाता है। जब रिजल्ट का पूछा तो बोलते है मैंने तो लिखा था लेकिन मास्टर जी ने कॉपी बदल दी।

उत्तर प्रदेश के राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि अक्टूबर में 1,939 करोड़ रुपये की अधिक प्राप्ति

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में राजस्व संग्रह के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के अक्टूबर माह में प्रदेश सरकार को प्रमुख कर-करेत्तर राजस्व मदों से कुल 19,686 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जबकि गत वर्ष इसी माह में 17,747 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस प्रकार अक्टूबर 2025 की तुलना में अक्टूबर 2026 में राजस्व संग्रह में 1,939 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राजस्व प्राप्तियों की जानकारी देते हुए बताया कि अक्टूबर 2026 में जीएसटी के अंतर्गत 8,154 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि गत वर्ष यह 6,831 करोड़ रुपये था। इस प्रकार जीएसटी संग्रह में 1,323 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इसी प्रकार वैट से 2,705 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो गत वर्ष के 2,402 करोड़ रुपये के मुकाबले 303 करोड़ रुपये अधिक है। वित्त मंत्री ने बताया कि स्टाम्प एवं निबंधन विभाग में 2,714 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि गत वर्ष 2,287 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई थी। इस प्रकार 427 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। भू-तत्व एवं खनिकर्म विभाग में राजस्व प्राप्ति 300 करोड़ रुपये से बढ़कर 356 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वर्ष की तुलना में 56 करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग में अक्टूबर 2026 के दौरान 4,495 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि गत वर्ष 4,508 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई थी। इसी प्रकार परिवहन विभाग में गत वर्ष के 1,419 करोड़ रुपये के मुकाबले इस वर्ष 1,262 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो वर्ष की वृद्धि संबंधी निर्णय का स्वागत करते हुए केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों की प्रारंभिक नियुक्ति चार वर्ष के लिए की गई थी, जिसे अब दो वर्ष और बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

कानपुर : सुरक्षित दीपावली के लिए अग्निशमन विभाग की सलाह घनी आबादी, पेट्रोल पंप और तेल के भंडार से दूर करें आतिशबाजी



एजेंसी। कानपुर

दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान जरा सी लापरवाही खुशियों को हादसे में बदल सकती है। पटाखे जलाते समय बच्चों की सुरक्षा, कपड़ों और आसपास रखे ज्वलनशील पदार्थों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। घनी आबादी, पेट्रोल पंप और तेल के भंडार के आसपास आतिशबाजी करने से बचें। आपात स्थिति से निपटने के लिए घर में पानी की दो बाल्टियां तैयार रखें। अग्निशमन विभाग ने सुरक्षित दीपावली मनाने के लिए लोगों से सावधानी बरतने और सुरक्षा संबंधी दिशा-निदेर्शों का पालन करने की अपील की है। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने गुरुवार को बताया कि पटाखे हमेशा जिला प्रशासन की ओर से निर्धारित स्थानों पर लगी दुकानों से ही खरीदें। वैधानिक रूप से निर्मित पटाखों का इस्तेमाल करें और बच्चों को केवल बड़ों की निगरानी में ही आतिशबाजी करने दें। पटाखे जलाने से पहले उन पर लिखे सुरक्षा निदेर्शों को जरूर पढ़ें। उन्हें समतल जगह पर रखकर जलाएं और पर्याप्त दूरी बनाए रखें। पटाखे जलाते समय चुस्त और मोटे सूती कपड़े पहनें। सिंथेटिक, रेशमी और ढीले कपड़ों में आतिशबाजी करने से बचें। विभाग ने लोगों को पटाखे हाथ में पकड़कर जलाने और उनके ऊपर झुकने से मना किया है। एक समय में एक ही पटाखा जलाएं। जलने के बाद नहीं फूटने वाले पटाखों को दोबारा देखने या उठाने की कोशिश न करें। पटाखों को जेब में रखने के साथ ही मोमबत्ती और दीये के पास रखने से भी बचें। घर के अंदर, रसोई के आसपास और सार्वजनिक स्थानों जैसे सड़क व फुटपाथ पर आतिशबाजी न करें। बच्चों को जलते हुए पटाखे किसी की ओर फेंकने से रोकें। अग्निशमन विभाग ने घनी बस्तियों, पेट्रोल पंप, तेल के भंडार, आरा मशीन और पंडालों के आसपास पटाखे व रॉकेट चलाने से भी बचने की सलाह दी है। इस्तेमाल किए गए पटाखों की बची सामग्री से दोबारा पटाखे बनाने का प्रयास न करें। दीपावली पूजन के दौरान जलाई जाने वाली अगरबत्ती, धूपबत्ती और मोमबत्ती को जलता छोड़कर न जाएं। इनके पूरी तरह बुझने के बाद ही पूजा स्थल छोड़ें। आतिशबाजी को आग और ज्वलनशील पदार्थों से दूर सुरक्षित स्थान पर रखें।

हत्या के मामले में वांछित बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

एजेंसी। नोएडा

उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्धनगर नोएडा में थाना जेवर पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे एक बदमाश को गुरुवार सुबह पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। इसके खिलाफ पूर्व में चोरी, दहेज हत्या, हत्या सहित 11 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आयुक्त के मीडिया प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि आज तड़के थाना जेवर पुलिस बदमाशों की तलाश में बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। तभी हसनपुर की तरफ जाने वाली सड़क पर एक व्यक्ति पैदल आता हुआ दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने उसे रूकने



का इशारा किया तो वह भागने लगा। शक होने पर पुलिस ने पीछा करके उसे घेर लिया। अपने आपको पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाश ने पुलिस पार्टी पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली शालू पुत्र फिरोज खान के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जांच के दौरान पता चला है कि इसके खिलाफ पूर्व में 11 मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि उक्त बदमाश ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर आठ अक्टूबर की रात को थाना जेवर क्षेत्र के कस्बा जहांगीरपुर में रहने वाले इमरान (36) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में पूर्व में 11 बदमाश गिरफ्तार किया जा चुके हैं। इन बदमाशों द्वारा की गई वारदात की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थी। आरोपी सरेआम ताबड़तोड़ गोली चलाते हुए वीडियो में दिखाई दे रहे थे।

वाराणसी : खालिस्तान नेशनल आर्मी ने दिवाली पर काशी को बम से उड़ाने की ई मेल से दी धमकी, स्कूलों और मंदिरों की सुरक्षा बढ़ी

एजेंसी। वाराणसी

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में दीपावली पर्व के दौरान बम विस्फोट की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। खालिस्तान नेशनल आर्मी के नाम से बुधवार शाम वाराणसी नगर निगम के आधिकारिक ई-मेल पर धमकी भरा संदेश भेजा गया। इसमें दीपावली के अवसर पर काशी में विस्फोट करने की धमकी दी गई है। धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ कमिश्नरेट पुलिस भी सतर्क हो गई है। अधिकारियों के निर्देश पर शहर के



संवेदनशील और प्रमुख संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा के मद्देनजर काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), केंद्रीय विद्यालय, नगर निगम मुख्यालय और प्रमुख मंदिरों में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। वहीं, नगर निगम मुख्यालय को उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सिगरा पुलिस ने परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी है। यहां आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। धमकी भरे ई-मेल के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं। फिलहाल शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि वाराणसी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले से ही अलर्ट जारी किया गया था। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियों को और अधिक सतर्क कर दिया गया है। शहर के सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही लगातार गश्त की जा रही है। वहीं, साइबर सेल की टीम ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने और उसकी लोकेशन ट्रेस करने में जुटी है। सुरक्षा के मद्देनजर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर, प्रमुख घाटों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल तैनात कर सघन चेकिंग की जा रही है। नगर निगम मुख्यालय और मेयर कार्यालय समेत विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक दफ्तरों में एंटी-सबोटेज टीम के साथ चेकिंग अभियान चलाया गया। शैक्षणिक संस्थानों को भी एहतियात के तौर पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। धनतेरस पर्व पर अन्नपूर्णा मठ मंदिर में आधी रात के बाद उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस अफसर वहां की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने अन्नपूर्णा मंदिर में पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और मंहत शंकरपुरी से मिलकर मंदिर प्रबंधन के सुरक्षा प्रबंध की जानकारी ली और इसके बाद मातहत अफसरों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।

जौनपुर : बच्चों से भरी स्कूल बस डिवाइडर से टकराई, 22 बच्चों समेत 40 घायल



एजेंसी। जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बक्शा थाना क्षेत्र के अलीगंज बाजार के पास बुधवार रात बच्चों से भरी एक स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बस सवार 36 बच्चों समेत 40 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस सेवा की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। प्रतापगढ़ के जहानाबाद से संबंधित स्कूल बस बच्चों को लेकर जा रही थी। हादसे की सूचना पर 108 सेवा के ईएमई मनीष सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और सर्किल की सभी उपलब्ध एंबुलेंस को मौके पर बुलाया। एंबुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान ईएमटी जयप्रकाश ने एंबुलेंस में ही घायलों को प्राथमिक उपचार दिया, जबकि पायलट मोहम्मद शाहिद ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया। उन्होंने चिकित्सकों को सभी घायलों का बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि हादसे में कुल 22 बच्चे घायल हुए हैं, जिनमें एक छात्रा सौम्या पांडेय की हालत गंभीर होने पर उसे वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। शेष बच्चों की स्थिति सामान्य है।

शास्त्रों में संशोधन नहीं, प्रक्षेप और चोरी हुई पांडुलिपियों को सामने लाना हमारा उद्देश्य : स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती



♦ संस्कृति संसद में श्रीकाशी विद्वत परिषद की अध्यक्षता में समिति गठित करने का प्रस्ताव, दो वर्षों में देश-विदेश में उपलब्ध भारतीय पांडुलिपियों की पहचान कर वापसी का होगा प्रयास

एजेंसी। वाराणसी

अखिल भारतीय संत समिति एवं गंगा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने गुरूवार को कहा कि हमारा उद्देश्य मनुस्मृति या अन्य धर्मशास्त्रों में संशोधन करना नहीं, बल्कि मूल ग्रंथों में कथित प्रक्षेप, मिलावट और फर्जी ग्रंथों को सामने लाना तथा विदेशों में पहुंचाई गई भारत की बहुमूल्य पांडुलिपियों को वापस लाना है। शास्त्रों में संशोधन करना न हमारा अधिकार है और न ही हमारी औकात। उन्होंने इस कार्य के लिए श्रीकाशी विद्वत परिषद की अध्यक्षता और वरिष्ठ आचार्यों के संरक्षण में एक निष्पक्ष समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा। स्वामी जितेंद्रानंद सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में अखिल भारतीय संत समिति एवं गंगा महासभा की ओर से आयोजित संस्कृति संसद के तीसरे दिन के सत्र को संबोधित कर रहे थे। मनुस्मृति और भारतीय धर्मशास्त्रों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी ऋषियों ने अपने-अपने कालखंड में विचार व्यक्त किए हैं। 'कलौ पराशर स्मृति' की परंपरा को देखते हुए मनुस्मृति में संशोधन का प्रश्न ही नहीं उठता। हमारा सवाल यह है कि मनु और पितृसत्ता के नाम पर सनातन धर्म को कठघरे में खड़ा किया जाता है, जबकि भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति और देवी के रूप में प्रतिष्ठा दी गई है। ऐसे विमर्शों का प्रमाणों के साथ उत्तर देना आवश्यक है। उन्होंने भारतीय पांडुलिपियों के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1556 में गोवा के पणजी में बाइबिल के मुद्रण के लिए छापाखाना आया था। इससे पहले ऋषि-मुनि और विद्वान ताड़पत्रों पर ग्रंथों का लेखन करते थे। अंग्रेजी शासन के दौरान हिंदू लॉ बनाने के नाम पर भारतीय धर्मशास्त्रों और पांडुलिपियों का संग्रह किया गया। उन्होंने विलियम जोन्स का उल्लेख करते हुए बंगाल के ब्राह्मणों के साथ कथित अपमानजनक व्यवहार और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रदर्शित एक ऐसे चित्र का जिक्र किया, जिसमें भारतीय ब्राह्मण को जूते के नीचे बैठा दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि इन ऐतिहासिक घटनाओं और दस्तावेजों को भी समाज के सामने लाना चाहिए। जितेन्द्रानंद ने दावा किया कि भारत की अनेक दुर्लभ पांडुलिपियां लोहे के बक्सों में भरकर ब्रिटेन भेजी गईं। उन्होंने रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन तथा लॉर्ड टिग्नामेंट बाउंस से संबंधित एक पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उसमें पांडुलिपियां ले जाने वाले व्यक्ति के जीवित लौटने पर उन्हें वापस करने और मृत्यु होने की स्थिति में उनके इच्छानुसार उपयोग की बात लिखी गई थी। उन्होंने कहा कि यह पत्र उनके पास उपलब्ध है और ऐसे साक्ष्यों की ऐतिहासिक जांच कर उन्हें सार्वजनिक करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि भारत की पांडुलिपियां चीन, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा और ब्रिटेन सहित कई देशों में उपलब्ध हैं। कोलकाता की एशियाटिक सोसाइटी और रॉयल सोसाइटी ऑफ लंदन में भी महत्वपूर्ण पांडुलिपियां मौजूद हैं। प्रस्तावित समिति अगले दो वर्षों में विभिन्न देशों में उपलब्ध भारतीय बौद्धिक एवं सांस्कृतिक संपदा की पहचान करेगी और उन्हें भारत वापस लाने का प्रयास करेगी। इस अभियान में आवश्यकता पड़ने पर भारत सरकार के पांडुलिपि मिशन तथा विदेश यात्राएं करने वाले संतों और आचार्यों का सहयोग भी लिया जाएगा। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास के जन्मस्थान और सूरदास के जन्मकाल जैसे विषयों पर भी विवाद खड़े किए गए हैं। उनके अनुसार, वामपंथी विचारधारा से जुड़े लोगों ने सनातन परंपरा के विभिन्न पक्षों को विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया है। उन्होंने सनातन परंपरा के विरुद्ध उठाए जा रहे सवालों और कुछ कथित धमार्चार्यों के आचरण पर भी चिंता जताई। कहा कि यदि धमार्चार्य ही विदेशी मिशनरियों के सामने झुकते दिखाई देंगे तो हिंदू समाज का विश्वास कैसे कायम रहेगा।

छठे दिन भी मजबूती के साथ शेयर बाजार बंद, सेंसेक्स-निफ्टी की तूफानी छलांग

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार आज लगातार छठे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट की धमाकेदार जीत के बाद वैश्विक बाजारों से आए पॉजिटिल संकेतों के दम पर घरेलू बाजार में आज चौतरफा मजबूती का माहौल बना रहा, जिसके चलते दिग्गज कंपनियों के शेयरों के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों में भी जम कर खरीदारी हुई।चौतरफा लिवाली के सपोर्ट से मुख्य सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर यानी डे-हाई के बेहद करीब बंद होने में सफल रहे। धनतेरस के त्योहार से ठीक एक दिन पहले आई बाजार की इस ऐतिहासिक तेजी से आज निवेशकों की संपत्ति में 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की जबरदस्त बढ़ोतरी हो गई। आज के कारोबार के दौरान शुरूआती बीस मिनट के बाद से ही बाजार में लगातार जबरदस्त तेजी का रुख बना रहा। ग्लोबल मार्केट के पॉजिटिव संकेतों के बीच खरीदार पूरी तरह हावी नजर आए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लगातार अपनी बढ़त को कायम रखा। अंतिम सत्र में बाजार में लिवाली और ज्यादा तेज हो गई, जिसकी वजह से दोनों सूचकांक 2.5 प्रतिशत से भी ज्यादा उछल गए। हालांकि, अंत में हुई मामूली मुनाफा वसूली के कारण दोनों सूचकांक डे-हाई से थोड़ा नीचे फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 2.60 प्रतिशत और निफ्टी 2.40 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,609.54 अंक यानी 2.08 प्रतिशत की दमदार बढ़त दर्ज करते हुए 78,910.94 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक पहले बीस मिनट में ही फिसल कर 78,520.56 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जबरदस्त जोर बना दिया, जिसके कारण यह सूचकांक लगातार ऊपर की ओर भागता चला गया। दिन के कारोबार के दौरान बाजार में बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर के हैवीवेट शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। खास कर, दिन के अंतिम सत्र में हुई बंपर लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक 2,168.86 अंक यानी 2.81 प्रतिशत उछल कर 79,470.03 अंक के स्तर पर आ गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण आखिरी दौर में हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से थोड़ी फिसल कर 2,008.61 अंक यानी 2.60 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 79,310.01 अंक के स्तर पर पहुंच कर लगातार छठे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने भी आज 417.45 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की जोरदार उछाल के साथ 24,378.05 अंक के स्तर से अपने कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने कारण ये सूचकांक टूट कर



24,296.30 अंक के स्तर पर आ गया। पहले बीस मिनट तक मुनाफा वसूली का दबाव झेलने के बाद बाजार में ऑटो, फाइनेंस और बैंकिंग जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में शुरू हुई जोरदार लिवाली के चलते इस सूचकांक की चाल ने भी तूफानी रफ्तार पकड़ ली। कारोबार के दौरान ज्यादातर समय बाजार में लिवाली का जोर बना रहा, जिसके कारण निफ्टी की रफ्तार लगातार बनी रही। बाजार में लगातार हो रही इस चौतरफा लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक तेजी से आगे बढ़ा और क्लोजिंग बेसिस पर लंबे समय बाद 24,500 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करने में सफल रहा। लगातार हो रही खरीदारी के दम पर निफ्टी 619.30 अंक यानी 2.58 प्रतिशत की मजबूती के साथ दिन के ऊपरी स्तर 24,579.90 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, अंत में दिन के सौदों के निपटारे की वजह से यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 43.30 अंक खिसक कर 576 अंक यानी 2.40 प्रतिशत की जबरदस्त मजबूती के साथ 24,536.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा चमक नजर आई, जहां निफ्टी ऑटो इंडेक्स 4 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके अलावा रियल्टी इंडेक्स में 3.5 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जबकि सरकारी और प्राइवेट दोनों बैंकिंग इंडेक्स ने भी 3-3 प्रतिशत से अधिक की तेजी दिखाई। इसके साथ ही निफ्टी आईटी इंडेक्स भी आज करीब ढाई प्रतिशत की बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। दूसरी ओर, फार्मा सेक्टर के शेयरों में शुरूआती कारोबार के दौरान करीब आधे प्रतिशत की सुस्ती देखी गई, लेकिन बाद में वह भी रिकवर कर एक प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट और सेक्टोरल फ्रंट पर आज ज्यादातर इंडेक्स दबाव से पूरी तरह उबर कर बढ़त बनाने में कामयाब रहे। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में आज लगातार मजबूती बनी रही। निफ्टी का मिडकैप 100 इंडेक्स आज के कारोबार के अंत में 1.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप शेयरों में भी खरीदारों का जबरदस्त असर दिख रहा था, जिसकी वजह से निफ्टी के स्मॉलकैप 100 इंडेक्स ने भी 0.57 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। बाजार के दोनों मुख्य सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में आई जोरदार तेजी और ब्रॉडर मार्केट में हुई चौतरफा खरीदारी के कारण आज निवेशकों की संपत्ति में करीब 7.15 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़कर 5,01,57,379.28 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यह 4,94,42,140.62 करोड़ रुपये था। इस तरह बाजार की इस तेज छलांग की बदौलत निवेशकों की पूंजी में आज 7,15,238.66 करोड़ रुपये का बड़ा इजाफा हो गया।

बीएचईएल को अडानी पावर से मिले 6 हजार 4 सौ मेगावाट की चार ताप विद्युत परियोजनाओं के बड़े ऑर्डर

एजेंसी। हरिद्वार

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को देश में चार ताप विद्युत परियोजनाओं की स्थापना के लिए अडानी पावर लिमिटेड से बड़े घरेलू ऑर्डर मिले हैं। हरिद्वार स्थित बीएचईएल के सूचना एवं संपर्क विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन अनुबंधों के तहत बीएचईएल चारों परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण विद्युत उत्पादन उपकरणों की आपूर्ति के साथ आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराएगा। प्रत्येक परियोजना की क्षमता 2800 मेगावाट निर्धारित की गई है। इस तरह चारों परियोजनाओं की कुल प्रस्तावित क्षमता 6,400 मेगावाट होगी। अनुबंध के तहत बीएचईएल बॉयलर, टर्बाइन, जनरेटर और उनसे जुड़े सहायक उपकरणों की आपूर्ति करेगा। परियोजनाओं का क्रियान्वयन अडानी पावर की आवश्यकताओं के अनुरूप किया जाएगा। बीएचईएल के लिए इन बड़े ऑर्डरों को महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। यह कंपनी की तकनीकी दक्षता, विनिर्माण क्षमता और बड़े विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन में उसकी विशेषज्ञता पर ग्राहक के भरोसे को भी दशार्ता है। विद्युत उत्पादन उपकरणों के क्षेत्र में बीएचईएल की देश और दुनिया में मजबूत मौजूदगी है। कंपनी अब तक विश्वभर में 214 गीगावाट से अधिक क्षमता के विद्युत उत्पादन उपकरण स्थापित कर चुकी है। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक देश की उपयोगिता-स्तरीय ताप विद्युत क्षमता में बीएचईएल की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत, परमाणु ऊर्जा के द्वितीयक पक्ष में 60 प्रतिशत और जल विद्युत क्षेत्र में 43 प्रतिशत रही। वहीं, देश की कुल उपयोगिता-स्तरीय पारंपरिक विद्युत उत्पादन क्षमता में कंपनी का योगदान 53 प्रतिशत है। अडानी पावर से मिले ये प्रतिष्ठित अनुबंध बीएचईएल के तकनीकी नेतृत्व और बाजार में उसकी मजबूत स्थिति को और मजबूती प्रदान करेंगे। साथ ही, इन परियोजनाओं के माध्यम से देश की विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति देने में भी मदद मिलेगी।

पाकिस्तान में भारत से सस्ता है सोना, 22 से 24 कैरेट कीमतों में अंतर

एजेंसी। नई दिल्ली

अगर आप सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो सिर्फ बाजार भाव जानना काफी नहीं है. सोने की कीमत के अलावा आपको जएसटी, मेकिंग चार्ज और अन्य खर्चों की जानकारी भी होनी चाहिए. इन सभी खर्चों को मिलाकर सोने की ज्वेलरी की कीमत बढ़ जाती है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत का असर सभी देशों पर पड़ता है. लेकिन हर देश में सोने का भाव एक जैसा नहीं होता. इसकी वजह स्थानीय मुद्रा की कीमत, आयात खर्च, टैक्स, कस्टम ड्यूटी और सोने की मांग है. भारत में सोना खरीदने पर 3% जएसटी देना पड़ता है. इसके अलावा ज्वेलरी बनवाने पर मेकिंग चार्ज भी लगता है. सोना खरीदने से पहले उस दिन का भाव जरूर चेक करें. इसके लिए आप इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट www.ibja.com पर जा सकते हैं. यहां 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने के भाव देख सकते हैं। ध्यान रखें कि इन भावों में जएसटी और मेकिंग चार्ज शामिल नहीं होते. 24 कैरेट सोना लगभग 99.9% शुद्ध होता है. इसका इस्तेमाल ज्यादातर सोने के सिक्के और बार खरीदने में किया जाता है. वहीं, 22 कैरेट सोने में 91.67% शुद्ध सोना होता है. इसमें दूसरी धातुएं भी मिलाई जाती हैं, जिससे यह मजबूत बनता है. इसलिए गहने बनाने के लिए 22 कैरेट सोना ज्यादा इस्तेमाल होता है. ज्वेलरी बनवाने पर ज्वेलर मेकिंग चार्ज लेता है. कुछ मामलों में वेस्टेज चार्ज भी देना पड़ता है. इसके अलावा सोने की ज्वेलरी, सिक्के और बिस्किट पर आमतौर पर 3% जएसटी लगता है. मान लीजिए 10 ग्राम सोने की कीमत 1,40,000 है. मेकिंग चार्ज 14,000 और वेस्टेज चार्ज 5,000 है. ऐसे में कुल कीमत 1,59,000 होगी. इस पर 3% जएसटी यानी 4,770 लगेगा।

बेहतर कॉलिंग, बेहतर इंटरनेट'...ट्राई का बड़ा फैसला

एजेंसी। नई दिल्ली

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भारत के टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने, कॉल क्वालिटी में सुधार करने और अलग-अलग टेलीकॉम नेटवर्क के बीच कनेक्शन को अधिक कुशल बनाने के लिए नए नियम पेश किए हैं. टेलीकम्युनिकेशन इंटरकनेक्शन (तीसरा संशोधन) रेगुलेशन, 2026 नामक ये नए नियम 1 जनवरी, 2027 से लागू होंगे.इन नियमों का उद्देश्य यह सरल बनाना है कि टेलीकॉम नेटवर्क आपस में कैसे जुड़ते हैं और कॉल या अन्य ट्रैफिक का आदान-प्रदान कैसे करते हैं. इसके तहत ऑपरेटरों को लाइसेंस्ड सर्विस एरिया स्तर पर कनेक्शन की ओर बढ़ने और इंटरनेट प्रोटोकॉल आधारित इंटरकनेक्शन तकनीक अपनाने की आवश्यकता होगी. टेलीकॉम इंटरकनेक्शन उस सिस्टम को कहते हैं, जो अलग-अलग सर्विस प्रोवाइडर के ग्राहकों को एक-दूसरे से बातचीत करने की सुविधा देता है. उदाहरण के लिए, जब कोई व्यक्ति एक टेलीकॉम ऑपरेटर का उपयोग करते हुए किसी दूसरे नेटवर्क के उपयोगकर्ता को कॉल करता है, तो इंटरकनेक्शन ही उस कॉल को दोनों नेटवर्क के बीच पहुंचाने में मदद करता है. आईपी आधारित कनेक्शन की ओर बदलाव - सबसे बड़े बदलावों में से एक है आईपी आधारित इंटरकनेक्शन की ओर बढ़ना. इन नियमों के लागू होने के बाद बनने वाले सभी नए इंटरकनेक्शन में आईपी आधारित तकनीक का उपयोग करना अनिवार्य होगा. पुराने E1/TDM आधारित सिस्टम पर चल रहे मौजूदा कनेक्शनों को भी तीन साल के भीतर आईपी आधारित तकनीक में बदल दिया जाएगा. आईपी आधारित इंटरकनेक्शन, नेटवर्क के बीच कम्युनिकेशन ट्रैफिक को ट्रांसफर करने के लिए इंटरनेट प्रोटोकॉल तकनीक का उपयोग करता है. इस बदलाव से बैंडविड्थ की कार्यक्षमता, कॉल क्वालिटी और नेटवर्क के समग्र प्रदर्शन में सुधार होने की उम्मीद है. साथ ही, जैसे-जैसे मोबाइल डेटा और डिजिटल कम्युनिकेशन की मांग बढ़ रही है, यह टेलीकॉम ऑपरेटरों को बढ़ते ट्रैफिक को संभालने में भी मदद करेगा.

टाटा ने खरीद ली इटली की ये कंपनी, मेलोनी से मिले टाटा संस के चेयरमैन

एजेंसी। नई दिल्ली

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने रोम स्थित पलाज्जो चिगी में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की. इस दौरान इतालवी वाणिज्यिक वाहन विनिमार्ता कंपनी इवेको समूह के टाटा मोटर्स द्वारा अधिग्रहण और दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक औद्योगिक एवं आर्थिक संबंधों पर प्रमुखता से चर्चा हुई. सूत्रों ने बताया कि बुधवार को हुई इस बैठक में चंद्रशेखरन ने इतालवी वाणिज्यिक वाहन विनिमार्ता कंपनियों में से एक इवेको समूह में नियंत्रक हिस्सेदारी के अधिग्रहण के बाद टाटा समूह की रणनीति प्रस्तुत की। यह बैठक इटली और भारत के



बीच बढ़ते रणनीतिक आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग के बीच हुई. टाटा मोटर्स ने 30 अक्टूबर को कहा था कि उसने नकद पेशकश के शुरूआती निपटान के बाद इवेको में 89.42 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 3.43 अरब यूरो में अधिग्रहित कर ली है. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को इटली के टोरीनो स्थित इवेको के मुख्यालय में आयोजित वैश्विक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अधिग्रहण प्रक्रिया के दौरान प्रोत्साहन और समर्थन देने के लिए इतालवी सरकार तथा प्रधानमंत्री मेलोनी का आभार जताया. टाटा संस के चेयरमैन ने कहा, इवेको समूह की जड़ें इटली में बहुत मजबूत हैं और यूरोप तथा लातिन अमेरिका में इसकी अच्छी मौजूदगी है. यह अपने साथ समृद्ध औद्योगिक विरासत, प्रतिष्ठित ब्रांड, प्रौद्योगिकी और ट्रक, बस तथा पावरट्रेन के क्षेत्र में विश्वस्तरीय क्षमताएं लेकर आया है. उन्होंने कहा, मैं इस सौदे से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं और उन सभी का आभारी हूं. मैं आज की शुरूआत इस प्रक्रिया के दौरान प्रोत्साहन और समर्थन देने के लिए इतालवी सरकार, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और मंत्री एडोल्फो उर्सो का धन्यवाद करके करना चाहूंगा. उन्होंने टोरीनो के साथ टाटा मोटर्स के लंबे जुड़ाव का भी उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि कंपनी की स्वदेशी यात्री कार विकसित करने की यात्रा की जड़ें इसी इतालवी शहर में हैं, जहां 1990 के दशक के अंत में डिजाइन हाउस आइडिया में उसकी पहली स्वदेशी कार का डिजाइन तैयार हुआ था टाटा संस के चेयरमैन ने कहा, मैं आपको एक ऐसी कहानी बताना चाहता हूं, जो टोरीनो के साथ हमारे जुड़ाव को समझाती है. जब हमारे पूर्व चेयरमैन रतन टाटा ने फैसला किया कि टाटा मोटर्स अपनी स्वदेशी यात्री कार विकसित करेगी और उसका विनिर्माण करेगी, तो उन्होंने वास्तव में टोरीनो का रुख किया।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

एजेंसी। नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान शानदार बढ़त के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी आज सुबह मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह बना रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में जोरदार तेजी दर्ज की गई थी। दूसरी ओर, एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। हालांकि भारतीय बाजार के लिए शुरूआती संकेत काफी मजबूत नजर आ रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट पर बेहतरीन रिकवरी देखने को मिली। अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स की जीत के बाद राजनीतिक अनिश्चितता कम होने से निवेशकों में उत्साह बना



हुआ नजर आया, जिससे सूचकांकों में मजबूती आई। हालांकि, एआई को लेकर कड़े नियमों की आशंका के चलते डेटा सेंटर कंपनियों के शेयरों में कुछ गिरावट भी दर्ज की गई। बुधवार के सत्र में डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1,569.40 अंक यानी तीन प्रतिशत की जोरदार तेजी के साथ 53,356.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स 119.70 अंक यानी 1.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,688.62 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके साथ ही टेक कंपनियों से जुड़े नैस्डैक कंपोजिट ने भी 364.50 अंक यानी 1.44 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,736.51 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं, डाउ जोन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 119.18 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53,475.30 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तर्ज पर यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदार पूरी तरह हावी रहे। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 573.05 अंक यानी 2.17 प्रतिशत की बड़ी बढ़त दर्ज करते हुए 26,437.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 157.58 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ 8,177.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं ब्रिटेन का एफटीएसई इंडेक्स भी 190.78 अंक यानी 1.76 प्रतिशत की मजबूती दिखाते हुए 10,829.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ।ग्लोबल मार्केट के इन संकेतों के बीच एशियाई बाजार में आज सुबह मिला-जुला रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से पांच के सूचकांक बिकवाली के दबाव में लाल निशान में बने हुए हैं, जबकि चार सूचकांकों में फिलहाल बढ़त बनी हुई है। राहत की बात यह है कि भारतीय बाजार के लिए शुरूआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में आज सुबह तेज उछाल का रुख बना हुआ है, जो घरेलू बाजार के लिए बेहतरीन संकेत हैं। फिलहाल यह सूचकांक 418 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 24,368 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग के शेयर बाजार में भी आज जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। यहां हैंगसेंग इंडेक्स आज फिलहाल 736.50 अंक यानी 3.08 प्रतिशत की बड़ी बढ़त के साथ 24,656 अंक के स्तर पर आ गया है। इंडोनेशिया के बाजार में भी आज खरीदार एक्टिव नजर आ रहे हैं, जिसके चलते जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 111.81 अंक यानी 2.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,031.58 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स आज 3.62 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की मामूली उछाल के साथ 3,689.79 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स आज कमजोरी के साथ लाल निशान में पहुंचा हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 793.63 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,395 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी आज मंदी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है, जहां चौतरफा बिकवाली के दबाव से फिलहाल यह सूचकांक 250.99 अंक यानी 4.42 प्रतिशत की जोरदार गिरावट के साथ 5,432.81 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान स्टॉक एक्सचेंज में भी आज जबरदस्त कमजोरी का माहौल बना हुआ है, जहां मुनाफावसूली के कारण ताइवान वेटेड इंडेक्स 874.44 अंक यानी 2.04 प्रतिशत फिसल कर 42,074.47 अंक के स्तर पर आ गया है। थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में भी आज सुस्ती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 9.35 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,492.74 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी आज मामूली दबाव के बीच काम करता नजर आ रहा है। यह सूचकांक फिलहाल 1.35 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक सुस्ती के साथ 5,290.49 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

विराट के 38वें जन्मदिन पर बीसीसीआई ने दी बधाई, रैना बोले- किंग हमेशा किंग ही रहता है

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आज गुरुवार को अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। वर्ष 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले कोहली आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमार हैं। अपनी दमदार बल्लेबाजी, जबरदस्त फिटनेस और मैदान पर कभी हार न मानने वाले जज्बे के दम पर उन्होंने क्रिकेट जगत में अलग पहचान बनाई है। विराट कोहली फिलहाल भारतीय टीम के साथ ऑकलैंड में हैं। जन्मदिन से एक दिन पहले बुधवार को उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में



शानदार 74 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। 38 वर्ष की उम्र में भी कोहली का जुनून और रनों की भूख बरकरार है। वह दुनिया के सबसे फिट खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। कोहली के जन्मदिन पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और भारतीय क्रिकेट जगत के पूर्व खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर खास अंदाज में उन्हें बधाई दी। बोर्ड ने लिखा, "566 अंतरराष्ट्रीय मैच और गिनती जारी है, 28,601 अंतरराष्ट्रीय रन और गिनती जारी है, 86 अंतरराष्ट्रीय शतक और गिनती जारी है। आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2011, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2013 और 2025 तथा आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2024 के विजेता। इस खेल को गौरवान्वित करने वाले सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक विराट कोहली को जन्मदिन की बधाई। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी कोहली को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, किंग कोहली। शानदार कवर ड्राइव से लेकर यादगार रन चेज तक आपने क्रिकेट प्रशंसकों को अनगिनत यादें और भावनाएं दी हैं। आपका जुनून, लड़ने का जज्बा और जीतने की भूख आपको वाकई खास बनाती है। आपको बल्लेबाजी करते देखने का अनुभव हमेशा शानदार रहा है। ऐसे ही प्रेरित करते रहें, जीतते रहें और भारत को गौरवान्वित करते रहें। जो एक बार किंग है, वह हमेशा किंग ही रहता है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कोहली को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, विराट कोहली। खेल के प्रति आपका जुनून, लगन और प्यार लाखों लोगों को प्रेरित करता रहता है। आने वाला साल आपके लिए शानदार रहे, भाई। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज और कोहली के रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व साथी दिनेश कार्तिक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, हर साल वही जोश। 38 की उम्र में इतने फिट पहले कभी नहीं दिखे। जन्मदिन मुबारक हो, विराट। कोहली की आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने भी खास अंदाज में उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। फ्रेंचाइजी ने 'एक्स' पर लिखा, हर दौर में एक ऐसा खिलाड़ी होता है, जो उस दौर की पहचान बन जाता है। क्रिकेट के इस दौर के लिए विराट कोहली वही खिलाड़ी हैं। उनके आंकड़े इतिहास की किताबों में दर्ज रहेंगे और उनकी काबिलियत से पूरी दुनिया वाकिफ है। हम हमेशा उस एहसास को याद रखेंगे, जो उन्होंने हमें इतने वर्षों तक दिया है। जन्मदिन मुबारक हो, किंग कोहली। रिकॉर्ड और उपलब्धियों से भरा है विराट का करियरविराट कोहली का अंतरराष्ट्रीय करियर उपलब्धियों और रिकॉर्डों से भरा रहा है। उन्होंने वनडे विश्व कप, टी-20 विश्व कप और दो चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब जीतने में भारतीय टीम के लिए अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए दो आईपीएल खिताब जीता है। टेस्ट क्रिकेट में विराट ने 123 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 30 शतक और 31 अर्धशतक निकले हैं। वनडे क्रिकेट में भी कोहली का रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने 318 मैचों में 58.84 की औसत से 15,183 रन बनाए हैं। इसमें रिकॉर्ड 55 शतक और 80 अर्धशतक शामिल हैं। वह वनडे क्रिकेट में दुनिया के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली ने 125 मैचों में 48.69 की औसत से 4,188 रन बनाए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए राशिद को करना होगा इंतजार, फिटनेस बनी बाधा



एजेंसी। नई दिल्ली

अफगानिस्तान टीम के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान अभी भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। पीठ की चोट और फिटनेस संबंधी चिंताओं के चलते अफगानिस्तान की मेडिकल टीम ने उन्हें अभी टेस्ट मैच खेलने से बचने की सलाह दी है। अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले स्पष्ट किया कि पूरी तरह फिट होने के बाद ही राशिद टेस्ट टीम का हिस्सा होंगे। राशिद खान ने अपने करियर में अब तक केवल छह टेस्ट मैच खेले हैं, जबकि सीमित ओवरों के दोनों प्रारूपों (वनडे और टी-20) में उनके नाम 245 से अधिक मैच दर्ज हैं। पीठ की चोट और फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण वह हाल के समय में टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। हालांकि, सीमित ओवरों के क्रिकेट में वह अफगानिस्तान टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार रहमत शाह ने कहा कि राशिद को लेकर टीम के मेडिकल स्टाफ और फिजियो ट्रेनरों ने सलाह दी है कि उन्हें अभी टेस्ट मैच नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि वह अभी इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। रहमत ने कहा कि हम सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए राशिद को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते। वह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राशिद खुद भी टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद करते हैं। हालांकि, अगर उनका शरीर इसकी अनुमति नहीं देता और डॉक्टरों तथा मेडिकल टीम की रिपोर्ट भी इसकी इजाजत नहीं देती, तो हम कोई जोखिम नहीं लेंगे। अफगानिस्तान के कप्तान ने टेस्ट क्रिकेट में गेंदबाजों पर पड़ने वाले शारीरिक दबाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राशिद को पीठ की समस्याओं का पुराना इतिहास रहा है, इसके लिए उनके कार्यभार का प्रबंधन करना बेहद जरूरी है। रहमत ने कहा कि वह हमारे मुख्य स्पिनर हैं। अगर वह टीम में शामिल होते हैं, तो लंबी साझेदारी के दौरान मुझे निश्चित रूप से उनसे लगातार गेंदबाजी कराने की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा कि टेस्ट मैचों में उन पर काफी बोझ होगा, क्योंकि छोटे फॉर्मेट में खेल सिर्फ तीन घंटे का होता है और एक गेंदबाज को केवल चार ओवर ही फेंकने होते हैं।

आईपीएल 2027 से पहले सीएसके और एसआरएच के बीच बड़ा ट्रेड, चार खिलाड़ियों की अदला-बदली

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सीजन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच चार खिलाड़ियों को लेकर ट्रेड डील हुई है। इस ट्रेड के तहत इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ गए हैं, जबकि भारतीय तेज गेंदबाज खलील अहमद और ऑस्ट्रेलियाई पेसर नाथन एलिस सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में शामिल हो गए हैं। आईपीएल की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार लियाम लिविंगस्टोन 6 करोड़ रुपये की संशोधित फीस पर चेन्नई सुपर



किंग्स से जुड़े हैं। उन्हें पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स अपनी मौजूदा 3 करोड़ रुपये की फीस पर सीएसके का हिस्सा बने हैं। एडवर्ड्स को सनराइजर्स हैदराबाद ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण से पहले अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, पैर में चोट के कारण वह आईपीएल 2026 में एक भी मुकाबला नहीं खेल सके थे। इस ट्रेड के तहत सनराइजर्स हैदराबाद ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद को उनकी मौजूदा 4.8 करोड़ रुपये की फीस पर अपनी टीम में शामिल किया है। खलील इससे पहले 2018 से 2021 तक सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा रह चुके हैं। वह आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 मैचों में 15 विकेट लेने में सफल रहे थे। हालांकि, आईपीएल 2026 में पांच मुकाबले खेलने के बाद चोट के कारण उन्हें पूरे सीजन से बाहर होना पड़ा था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस भी 2 करोड़ रुपये की अपनी मौजूदा फीस पर सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ गए हैं। एलिस अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी और डेथ ओवरों में प्रभावी प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। उनके आने से हैदराबाद की तेज गेंदबाजी को मजबूती मिलेगी। इन चार खिलाड़ियों के ट्रेड के साथ दोनों फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2027 से पहले अपनी टीमों को नए सिरे से संतुलित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

डीसी स्कूल कप के फाइनल में सेंट फ्रोबेल और मॉडर्न स्कूल, कल खिताबी भिड़ंत

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के जीएमआर क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करने के बाद सेंट फ्रोबेल पश्चिम विहार और मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) स्कूल कप-2026 के फाइनल में जगह बना ली है। पहले सेमीफाइनल में सेंट फ्रोबेल ने डीपीएस वसंत कुंज को 182 रनों के बड़े अंतर से हराया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड ने बिलबोंग स्कूल नोएडा को 49 रनों से मात दी। अब 6 नवंबर को इन दोनों टीमों के बीच खिताबी मुकाबला होगा। पहले सेमीफाइनल में सेंट फ्रोबेल ने निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट पर 247 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की



ओर से नूर मोहम्मद ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 65 गेंदों पर नाबाद 142 रन बनाए। उनकी पारी में 17 चौके और आठ छक्के शामिल रहे। सैयांश वोहरा ने 36 गेंदों पर 68 रन की तेजतर्रार पारी खेली, जिसमें तीन चौके और पांच छक्के शामिल थे। 248 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीपीएस वसंत कुंज की टीम सेंट फ्रोबेल की घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी और 14.4 ओवर में महज 65 रन पर ऑलआउट हो गई। सूर्यांश यादव ने 20 गेंदों पर 28 रन बनाए, जबकि हार्दिक धामा ने 16 रन का योगदान दिया। सेंट फ्रोबेल की ओर से पवन बघेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3.4 ओवर में केवल आठ रन देकर चार विकेट हासिल किए। सैयांश ने भी गेंद से कमाल दिखाया और तीन ओवर में एक मेडन के साथ केवल चार रन देकर एक विकेट लिया। इस तरह सेंट फ्रोबेल ने 182 रन से बड़ी जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में मॉडर्न स्कूल ने बिलबोंग स्कूल को 49 रन से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए मॉडर्न स्कूल ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन बनाए। टीम की ओर से वियान सचदेवा ने महज 29 गेंदों पर 66 रन की विस्फोटक पारी खेली। शिवेश कपूर ने 38 गेंदों पर 53 रन बनाए तथा गृहिथ गुंबर ने 32 रन का योगदान दिया। जवाब में बिलबोंग स्कूल की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 127 रन ही बना सकी। टीम की ओर से अबीर सुदान ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए 34 गेंदों पर 67 रन बनाए। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल सका। मॉडर्न स्कूल की ओर से विनायक चौधरी और माहिर सिंह ने दो-दो विकेट हासिल किए। आदित्य मित्तल और गृहिथ ने भी एक-एक विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया। दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी के बाद अब सेंट फ्रोबेल पश्चिम विहार और मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड के बीच 6 नवंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमें डीसी स्कूल कप-2026 की ट्रॉफी जीतकर अपने अभियान का यादगार अंत करना चाहेंगी।

महिला अंडर-23 टी-20 ट्रॉफी के लिए दिल्ली की 16 सदस्यीय टीम घोषित, शिवी शर्मा होंगी कप्तान

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने महिला अंडर-23 टी-20 ट्रॉफी 2026-27 के लिए 16 सदस्यीय दिल्ली महिला अंडर-23 टीम की घोषणा की है। यह प्रतियोगिता 14 नवंबर से हरियाणा में शुरू होगी। शिवी शर्मा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि परुणिका सिसोदिया उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी। डीडीसीए की ओर से घोषित टीम में कई उभरती हुई खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। आगामी घरेलू टी-20 प्रतियोगिता में ये खिलाड़ी दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगी। टीम का चयन 4 नवंबर को डीडीसीए की सीनियर महिला चयन समिति की बैठक में किया गया। बैठक में समिति की अध्यक्ष रीमा मल्होत्रा, चयनकर्ता स्वर्ण चड्ढा और रानी ओझा, डीडीसीए की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) की सदस्य अंजलि शर्मा, मुख्य कोच लतिका कुमारी और सचिव अशोक शर्मा उपस्थित रहे। 16 सदस्यीय टीम : शिवि शर्मा (कप्तान), परुणिका सिसौदिया (उपकप्तान), मेधावी बिधूड़ी, रिया शौकीन (विकेटकीपर), तनिष्का सिंह (विकेटकीपर), अंजलि वत्स, रेशिका बेनीवाल, मोनिका, अरमीत कौर, रिया कोंडल, कनिका माथुर, रिया सोनी, अपेक्षा आनंद, मानशी गर्ग, गोविंका शर्मा और इशिका गौतम।

दक्षिण कोरिया को 8-1 से रौंदकर फाइनल में पहुंचा भारत, खिताब के लिए जापान से भिड़ंत



एजेंसी। मोहाली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन भारत ने दक्षिण कोरिया को 8-1 से करारी शिकस्त दी। अब गुरुवार को खिताबी मुकाबले में उसका सामना जापान से होगा। भारत की जीत में शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने दो-दो गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, अंगद बीर सिंह और विवेक सागर प्रसाद ने एक-एक गोल किया। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल हान सांगजुन ने किया। मोहाली के इस स्टेडियम में भारत का यह पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। घरेलू दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम लीग चरण में अपने सभी पांच मुकाबले जीतकर अपराजित रही थी और उसने सेमीफाइनल में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। भारत ने चौथे मिनट में शिलानंद के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, नौवें मिनट में हान सांगजुन ने कोरिया को बराबरी दिला दी। इसके तुरंत बाद कप्तान हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कॉर्नर पर दमदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को फिर आगे कर दिया। 13वें मिनट में गोलकीपर के बचाव के बाद मिले रिबाउंड पर शिलानंद ने अपना दूसरा गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में भारतीय आक्रमण और तेज हो गया। सुखजीत ने 21वें मिनट में शानदार रिवर्स फ्लिक से गोल किया। इसी मिनट दिलप्रीत ने अंगद के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए भारत की बढ़त 5-1 कर दी। 25वें मिनट में हरमनप्रीत के लंबे हवाई पास को नियंत्रित कर दिलप्रीत ने अपना दूसरा गोल किया। मध्यांतर तक भारत 6-1 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में कोरियाई टीम को एक अतिरिक्त खिलाड़ी मैदान पर उतारने के कारण पांच मिनट का येलो कार्ड झेलना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए अंगद ने 36वें मिनट में भारत के लिए सातवां गोल किया। आखिरी क्वार्टर में कोरिया की टीम भारतीय रक्षा पंक्ति को भेदने में नाकाम रही। 54वें मिनट में विवेक सागर प्रसाद ने शानदार व्यक्तिगत प्रयास से आठवां गोल दागकर जीत पर मुहर लगा दी। दो गोल करने वाले दिलप्रीत सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने जीत का श्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रयास को देते हुए कहा कि टीम की प्राथमिकता तय रणनीति को मैदान पर लागू करना था। उन्होंने मोहाली में परिवार और प्रशंसकों के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करने को विशेष अनुभव बताया। इससे पहले जापान ने पहले सेमीफाइनल में निर्धारित 60 मिनट तक गोलरहित मुकाबले के बाद पेनाल्टी शूटआउट में मलेशिया को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। पांचवें-छठे स्थान के मुकाबले में चीन ने बांग्लादेश को 3-1 से पराजित किया। भारत अब पांच नवंबर को शाम सात बजे जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगा।

मौजूदा चैंपियन टीम की नजरें छठी बार खिताब जीतकर एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी बादशाहत और मजबूत करने पर होंगी।

चुनाव में पराजय के बाद ईरान से युद्ध पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने सीमित विकल्प



एजेंसी। वाशिंगटन

मध्यावधि चुनाव में अमेरिकी संसद पर डेमोक्रेट्स के नियंत्रण से रिपब्लिकन पार्टी के नेता और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चेहरे की हवाइयां उड़ी हुई हैं। उन्होंने और उनके प्रमुख सिपहसालारों ने स्वीकार कर लिया है कि इस पराजय की प्रमुख वजह ईरान युद्ध है। मध्यावधि चुनाव के नतीजों से वाशिंगटन में हलचल बढ़ गई। युद्ध विशेषज्ञों का मानना है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप के सामने ईरान के साथ युद्ध करने या उसे रोकने के लिए सीमित विकल्प हैं। इस बार आज एक्सिओस ने बेहद दिलचस्प रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के अनुसार, हार के बाद ईरान को लेकर ट्रंप के सामने ज्यादातर खराब विकल्प ही हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने मान लिया है कि चुनाव में ईरान को लेकर चल रहे संघर्ष की वजह से रिपब्लिकन पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अब उन्हें तय करना है कि वे नुकसान कम करने के लिए कोई समझौता कर लें या फिर अपनी रणनीति पर और जोर देते हुए बमबारी का रास्ता अपनाएं। पहला विकल्प- हमला करना, लेकिन फिर से युद्ध की ओर जाना लोगों को बिल्कुल पसंद नहीं आएगा। इससे गैस की कीमतें ऊंची बनी रहेंगी और शायद कोई बेहतर सैन्य नतीजा भी न निकले। दूसरा विकल्प- बातचीत करना हो सकता है। अगर ईरानी अधिकारी कोई रियायत देने से इनकार कर दें या राष्ट्रपति की राजनीतिक हार के बाद उन्हें कमजोर समझकर अपनी मांगें और बढ़ा दें तो ट्रंप के लिए समझौता करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। तीसरा विकल्प- मौजूदा स्थिति को बनाए रखना। यानी नौसैनिक नाकाबंदी और बेहद कड़े आर्थिक प्रतिबंध, जिससे ईरानी शासन अंदर ही अंदर घुटता रहे और साथ ही यह देखते रहना कि क्या वे किसी समझौते के लिए तैयार होते हैं। हालांकि, इस रास्ते पर कोई प्रगति दिखने में महीनों लग सकते हैं। बड़ी तस्वीर- राष्ट्रपति कई हफ्तों से कह रहे हैं कि चुनाव के बाद वे किसी न किसी तरह इस संघर्ष को खत्म कर देंगे। उनके एक पूर्व सलाहकार ने बताया कि चुनाव हारना एक अलग बात है, लेकिन ट्रंप नहीं चाहेंगे कि वे दूसरी बार भी हारने वाले के रूप में दिखें। इस वजह से उनके सबसे करीबी सहयोगी भी यह नहीं समझ पा रहे हैं कि वे आगे क्या करने वाले हैं। दिलचस्पः बुधवार सुबह एक असाधारण बयान में उपराष्ट्रपति वेंस ने मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी (जीओपी) की करारी हार के लिए सीधे तौर पर इस संघर्ष को जिम्मेदार ठहराया। इससे ट्रंप के फैसले के पीछे एक नया राजनीतिक समीकरण जुड़ गया है। वेंस ने एक्स पर लिखा, हम इसलिए हारे क्योंकि युद्ध चल रहा था। कल रात खुद राष्ट्रपति ने भी यही बात कही। अगर आप यह तर्क देना चाहते हैं कि यह सब जायज था - यानी अगले 6 सालों के लिए सीनेट में हार जाना भी ठीक था तो बेशक ऐसा कहें. लेकिन हर कोई जानता है कि हम क्यों हारे। और अब आगे क्या करना है, इस पर कोई भी ईमानदार चर्चा यहीं से शुरू होनी चाहिए। वेंस ने यह भी कहा कि इजराइल के साथ अमेरिका के संबंधों ने रिपब्लिकन के लिए एक बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है। बुधवार को ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि वेंस का विश्लेषण काफी हद तक सही है, क्योंकि युद्ध की वजह से गैस की कीमतें बढ़ गई थीं। लेकिन ट्रंप ने कहा कि अगर उन्हें फिर से ऐसा करना पड़े, तो वे करेंगे, हमारे पास कोई और विकल्प नहीं था। आप ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने नहीं दे सकते। उनसे पूछा गया कि वे युद्ध कब खत्म करेंगे, तो ट्रंप ने जवाब दिया, जब भी मैं चाहूं। लेकिन इसे सही तरीके से किया जाना चाहिए, क्योंकि उनके पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। पर्दे के पीछे : हाल के महीनों में वेंस ने ट्रंप के करीबी लोगों के बीच एक ऐसे गुट का नेतृत्व किया है, जो उन्हें युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के साथ समझौता करने की सलाह दे रहा था। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने निजी तौर पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर आरोप लगाया कि ईरान के मामले में वे हर बात पर गलत हैं। सूत्रों ने बताया कि वेंस ने चेतावनी दी थी कि यह युद्ध बहुत अलोकप्रिय है और इसकी वजह से रिपब्लिकन को चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप के आसपास के ज्यादातर वरिष्ठ अधिकारियों ने वेंस के विचारों से सहमति जताई। लेकिन ट्रंप का झुकाव फिर भी युद्ध को दोबारा शुरू करने की तरफ था। एक समय तो उन्होंने मध्यावधि चुनाव से पहले ही हमले करने पर विचार किया था, क्योंकि नेतन्याहू उन पर ऐसा करने के लिए दबाव डाल रहे थे। ट्रम्प ने इंतजार करने का फैसला किया। लेकिन अपने शीर्ष सलाहकारों की राय के उलट उन्होंने पिछले हफ्ते इजराइल के चुनाव में नेतन्याहू का समर्थन किया।

बांग्लादेश की राजधानी के मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के अशांत मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में आज सुबह अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। यहां के कपड़ा उद्योग के कर्मचारी कई दिन से 30,000 टका मासिक न्यूनतम वेतन निर्धारित करने की मांग कर रहे हैं। इन कर्मचारियों के प्रदर्शनों के दौरान मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र -2 में हुई हिंसा ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। मीरपुर औद्योगिक क्षेत्र-2 में कानून प्रवर्तन एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। इलाके में आज सुबह अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारी सड़कों पर गश्त कर रहे हैं और लोगों को इकट्ठा होने से रोक रहे हैं। सुरक्षा के ये कड़े इंतजाम गुरुवार सुबह से लागू किए गए हैं। पल्लबी था प्रभारी जलालुद्दीन ने बताया कि गुरुवार को अब तक श्रमिक सड़कों पर नहीं उतरे हैं। पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। फिलहाल स्थिति सामान्य है। इन कर्मचारियों ने पहली नवंबर को 30,000 टका न्यूनतम मासिक वेतन निर्धारित करने की मां के समर्थन में मीरपुर में सड़कें जाम कर दी थीं। सुबह से लेकर दोपहर तक श्रमिकों और पुलिस के बीच रुक-रुक कर झड़पें होती रहीं और पुलिस उन्हें खदेड़ती रही। इस दौरान, मीरपुर-11 मेट्रो रेल स्टेशन के नीचे पुलिस की एक गाड़ी में आग लगा दी गई। बाद में, पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में मीरपुर के अलग-अलग इलाकों से कई लोगों को हिरासत में लिया। सोमवार और मंगलवार को भी श्रमिकों ने मीरपुर में विरोध प्रदर्शन किए थे। वेतन की मांग को लेकर गाजीपुर, सावर, अशुलिया और नारायणगंज में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। झड़पें हुईं। उत्पादन बाधित हुआ और कई कारखानों को अपना कामकाज रोकना पड़ा। इस बीच, गाजीपुर में हुए हंगामे के दौरान घायल हुए श्रमिक तौफीक शेख की मंगलवार को ढाका के उत्तरा स्थित शिन-शिन जापान अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।



नेपाल में निवेश सम्मेलन से पहले अनुकूल माहौल बनाने के लिए 59 कानूनों में संशोधन करने की तैयारी

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल के भौतिक पूवार्धार विकास मंत्री सुनील लम्साल ने कहा है कि सरकार ने निवेश अनुकूल माहौल बनाने के लिए 59 कानूनों में संशोधन के मसौदे तैयार कर लिए हैं। सरकार की योजना निवेश सम्मेलन से पहले आवश्यक कानूनी और नीतिगत सुधारों को पूरा करने की है। काठमांडू में गुरुवार को इंफ्रास्ट्रक्चर समिट-2026 को संबोधित करते हुए मंत्री लम्साल ने स्पष्ट किया कि निवेश सम्मेलन का उद्देश्य केवल विदेशी निवेशकों को आमंत्रित करना, बड़ी परियोजनाओं की सूची पेश करना और निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करना नहीं होगा। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को निवेश अनुकूल माहौल बनाने के लिए कानूनी सुधारों की जानकारी देना है। इनमें निवेश संरक्षण, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और बाजार की सुनिश्चितता जैसे विषय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सरकार नेपाल में निवेशकों को भरोसे के साथ निवेश करने का वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सुशासन, अधिकारों के विकेंद्रीकरण और निवेश संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने विभिन्न नीतिगत सुधारों को आगे बढ़ाया है। निवेशकों के निवेश, श्रमिकों के अधिकारों और बाजार की सुनिश्चितता के लिए आवश्यक कानूनों में संशोधन की प्रक्रिया भी आगे बढ़ चुकी है। 59 कानूनों में संशोधन के मसौदे तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार निवेश संरक्षण के लिए ऐसी कानूनी व्यवस्था करने की योजना बना रही है, जिससे सरकार की मंजूरी प्राप्त किसी भी परियोजना को कोई भी रोक न सके।



अमेरिका में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी



एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की करारी हार के बाद राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है। कई रिपब्लिकन सांसद और उनके सहयोगी इस ऐतिहासिक हार का ठीकरा रक्षा मंत्री (बदला पद नाम युद्ध मंत्री) पीट हेगसेथ पर फोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। पेंटागन के इस शीर्ष अधिकारी को पद से हटाने (महाभियोग चलाने) के लिए प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में अगले हफ्ते मतदान हो सकता है। केंटकी से रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने स्पष्ट किया है कि अगले हफ्ते संसद (कांग्रेस) की कार्यवाही फिर से शुरू होगी। इस दौरान वह रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान के लिए दबाव डालेंगे। सूत्रों का मानना है कि यह प्रस्ताव सदन में पारित भी हो सकता है। हेगसेथ पर बिना कांग्रेस की मंजूरी के ईरान में युद्ध शुरू करने, शक्तियों का दुरुपयोग करने और संवेदनशील सैन्य सूचना लीक करने जैसे गंभीर आरोप हैं। मध्यावधि चुनाव में मिली बड़ी हार के लिए कई रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसद, हेगसेथ के नेतृत्व को ईरान युद्ध को ही जिम्मेदार मान रहे हैं। सांसद थॉमस मैसी ने एक्स पर कहा है कि यदि हेगसेथ अपने पद से इस्तीफा दे दें तो वह महाभियोग का सामना करने से बच सकते हैं। फ्लोरिडा के नवनिर्वाचित गवर्नर बायरन डोनाल्ड्स (वो अभी प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं) ने कहा कि वह हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग के पक्ष में मतदान नहीं करेंगे। हाउस ओवरसाइट समिति के भावी अध्यक्ष प्रतिनिधि रॉबर्ट गार्सिया ने कहा कि ट्रंप से जुड़ी जांच डेमोक्रेट्स को आम लोगों के खर्च कम करने के मुख्य लक्ष्य से नहीं भटकाएगी। उन्होंने चार प्रमुख मुद्दों का जिक्र किया- ट्रंप परिवार के व्यवसाय, आव्रजन कानून का पालन, व्हाइट हाउस बॉलरूम के लिए कॉर्पोरेट चंदा और एपस्टीन फाइलें। दूसरी ओर व्हाइट हाउस में हेगसेथ को हटाने और उनकी जगह नए चेहरों की तलाश की चर्चा है। इनमें फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस का नाम प्रमुख है। मगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से हेगसेथ को बर्खास्त करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में महाभियोग प्रस्ताव पारित होने के लिए सामान्य बहुमत की आवश्यकता होती है। इसके बाद मामला उच्च सदन सीनेट में जाता है। सीनेट में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज कहा कि यह काफी हद तक सच है कि ईरान युद्ध के कारण रिपब्लिकन पार्टी (जीओपी) को करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की बातों को ही दोहराया। सीनेट के डेमोक्रेट्स ने संभावित जांच को देखते हुए संबंधित दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के लिए पत्र जारी किए हैं। मौजूदा और पूर्व अधिकारियों के अनुसार, डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी अब संसद की ओर से शुरू होने वाली कड़ी निगरानी और जांच के लिए तैयार हो रहा है। इस बीच अनुमान जताया गया है कि कि डेमोक्रेट्स प्रतिनिधि सभा में कम से कम 245 सीटें जीतेंगे। सीनेट में दो सीटों पर अभी भी नतीजे स्पष्ट नहीं हैं। मिसिसिपी में परिदृश्य साफ नहीं है, जबकि अलास्का में डेमोक्रेट्स के जीतने की संभावना अधिक है। मिसिसिपी की सीनेट दौड़ के नतीजे अभी तक नहीं आए हैं। यहां से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार स्कॉट कोलोम ने बताया कि उन्हें अपनी जीत का पूरा भरोसा है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों के प्रदर्शन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मतदाता कांग्रेस के कामकाज से निराश है। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने डेमोक्रेट्स की जीत का श्रेय इस बात को दिया कि उन्होंने कामकाजी वर्ग के अमेरिकियों और उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया,जैसे कि खर्च कम करना और मतदाताओं के बीच भरोसा कायम करना।

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की प्रधानमंत्री शाह से आज होगी मुलाकात

एजेंसी। काठमांडू

काठमांडू दौरे पर बुधवार को पहुंचे भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री आज प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। इसी के साथ दो दिवसीय दौरा पूरा कर वो दोपहर को भारत लौट जाएंगे। प्रधानमंत्री शाह की प्रस्तावित भारत यात्रा की तैयारियों के सिलसिले में मिस्री बुधवार सुबह काठमांडू पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद से ही वह विभिन्न बैठकों में व्यस्त हैं। बुधवार को उन्होंने वित्तमंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले, विदेशमंत्री शिशिर खनाल, ऊजार्मंत्री बिराजभक्त श्रेष्ठ, भौतिक पूवार्धार विकास मंत्री सुनील लम्साल और विदेश सचिव अमृत बहादुर राय के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। विदेश मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, प्रधानमंत्री शाह के साथ मिस्री की शिष्टाचार मुलाकात गुरुवार के लिए निर्धारित की गई है। इस मुलाकात पर खास नजर रखी जा रही है। इसकी वजह यह है कि कुछ महीने पहले खबरें आई थीं कि प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात का समय नहीं मिल पाने के कारण मिस्री ने नेपाल का अपना पहले से निर्धारित दौरा स्थगित कर दिया था। नेपाल और भारत के अधिकारी प्रधानमंत्री शाह की 23-24 नवंबर में होने वाली भारत यात्रा की तैयारियां कर रहे हैं। भारत के नवनियुक्त राजदूत सुधाकर दलेला भी इन तैयारियों के सिलसिले में मंगलवार को काठमांडू पहुंचे थे। 28 अक्टूबर को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नियमित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान घोषणा की थी कि भारत ने नेपाल के प्रधानमंत्री को यात्रा के लिए आमंत्रित किया है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के अधिकारी जल्द ही प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा की औपचारिक तारीखों की घोषणा करने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, मिस्री के मौजूदा दौरे के बाद यात्रा की तारीखें सार्वजनिक की जा सकती हैं।

नेपाल में पत्रकारों, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर, कंटेट क्रिएटर को कानून के दायरे में लाने की कोशिश

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल सरकार ने पत्रकारिता और सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए नेपाली प्रेस परिषद को जांच, कार्रवाई और सार्वजनिक रूप से क्षमायाचना करने की सजा देने का अधिकार देने के लिए कानून में संशोधन करने वाला अध्यादेश राष्ट्रपति को मंजूरी के लिए भेजा है। अध्यादेश में पत्रकारों और मीडिया संस्थानों से लेकर कंटेंट क्रिएटर तथा इन्फ्लुएंसर तक को आचार संहिता के दायरे में लाने के साथ ही बार-बार उल्लंघन करने वालों को सरकारी सुविधाएं रोकने की सिफारिश करने और उल्लंघनकताओं की सूची सार्वजनिक करने का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रपति पौडेल से प्रमाणित होने के बाद अध्यादेश लागू होगा। नेपाल पत्रकार महासंघ ने संसदीय प्रक्रिया को दरकिनार कर सरकार द्वारा प्रेस पर नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल से अध्यादेश को प्रमाणित नहीं करने का आग्रह किया है। अध्यादेश में ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों से पत्रकारिता करने वाले व्यक्तियों तथा मीडिया संस्थानों को भी पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता के दायरे में लाने का प्रावधान किया गया है। सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में कहा गया है कि कोई व्यक्ति खुद को संचारकर्मी, कंटेंट क्रिएटर, प्रस्तोता, इन्फ्लुएंसर या किसी अन्य नाम से पहचाने, लेकिन यदि वह पत्रकारिता का काम करता है तो उस पर पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता लागू होगी। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार, कानून के तहत आचार संहिता, शिकायतों की सुनवाई और कार्रवाई संबंधी प्रावधान ऑनलाइन, सोशल मीडिया, मोबाइल एप्लिकेशन तथा वर्तमान या भविष्य में विकसित होने वाले अन्य डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से पत्रकारिता करने वाले व्यक्तियों और मीडिया संस्थानों पर भी लागू होंगे। विदेशी मीडिया संस्थानों या समाचार एजेंसियों के लिए नेपाल में पत्रकारिता करने वाले नेपाली और विदेशी पत्रकारों के साथ ही नेपाल में स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता करने वाले विदेशी पत्रकारों पर भी नेपाली कानून के अनुसार पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता लागू करने का प्रस्ताव है। हालांकि, प्रस्तावित व्यवस्था में व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को आचार संहिता के दायरे से बाहर रखा गया है। किसी व्यक्ति द्वारा अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से व्यक्त किए गए व्यक्तिगत विचार, धारणा, अनुभव या प्रतिक्रिया तथा समसामयिक विषयों पर व्यक्तिगत टिप्पणी, विश्लेषण या आलोचना को पत्रकारिता का काम नहीं माना जाएगा। ऐसी सामग्री पर पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता लागू नहीं होगी। इसी तरह हास्य-व्यंग्य, कला, साहित्य और मनोरंजन संबंधी सामग्री को भी आचार संहिता के दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव है। सरकार की प्रस्तावित व्यवस्था से पत्रकारिता की परिभाषा को डिजिटल माध्यमों तक विस्तारित करते हुए सामग्री तैयार करने और प्रसारित करने वाले व्यक्तियों को भी नियमन के दायरे में लाने की कोशिश दिखाई देती है। अध्यादेश में मीडिया संस्थान के संपादकीय नियंत्रण वाले सोशल मीडिया अकाउंट से प्रकाशित या प्रसारित सामग्री की जिम्मेदारी संबंधित मीडिया संस्थान पर डालने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित कानूनी व्यवस्था के अनुसार, मीडिया संस्थान के संपादकीय नियंत्रण वाले सोशल मीडिया अकाउंट से प्रकाशित या प्रसारित समाचार, शीर्षक, तस्वीर, वीडियो, थंबनेल, कैप्शन और लाइव प्रसारण की संपादकीय जिम्मेदारी संबंधित मीडिया संस्थान की होगी। समाचार एजेंसी या समाचार समिति द्वारा तैयार और भेजी गई सामग्री के मामले में एजेंसी या समिति तथा उस सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करने वाले मीडिया संस्थान को अपनी-अपनी संपादकीय भूमिका की सीमा तक पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता का पालन करना होगा। प्रस्तावित व्यवस्था में यह भी कहा गया है कि यदि किसी देशी या विदेशी समाचार एजेंसी या समिति द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री में तथ्यात्मक त्रुटि या भ्रामक प्रस्तुति की पुष्टि होती है तो संबंधित एजेंसी या समिति को सामग्री में सुधार कर इसकी जानकारी तत्काल उन मीडिया संस्थानों को देनी होगी, जिन्हें सामग्री उपलब्ध कराई गई थी। यदि समाचार एजेंसी या समिति से प्राप्त तथ्यात्मक रूप से गलत या भ्रामक सामग्री मीडिया संस्थान पहले ही प्रकाशित या प्रसारित कर चुका है तो उसे आवश्यक सुधार प्रकाशित या प्रसारित करना होगा और इसकी जानकारी भी देनी होगी। प्रस्तावित अध्यादेश में शिकायत और कार्रवाई संबंधी व्यवस्था में भी संशोधन करने की कोशिश की गई है। अध्यादेश में पत्रकारिता संबंधी आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले पत्रकारों और मीडिया संस्थानों को सार्वजनिक करने तथा उन्हें मिल रही सरकारी रियायतें और सुविधाएं रोकने की सिफारिश करने का प्रावधान किया गया है। यदि कोई पत्रकार, संपादक, मीडिया संस्थान या उसका संपादकीय जिम्मेदारी वाला संचालक आचार संहिता का उल्लंघन करता है तो कोई भी व्यक्ति प्रेस परिषद में शिकायत दर्ज करा सकेगा। शिकायत मिलने या स्वयं जानकारी प्राप्त होने के बाद परिषद आवश्यक जांच कर सकती है। यदि आचार संहिता का उल्लंघन पाया जाता है तो परिषद विभिन्न प्रकार की कार्रवाई कर सकेगी। परिषद संबंधित मीडिया संस्थान में प्रभावित पक्ष का पक्ष प्रकाशित या प्रसारित कराने, माफी मंगवाने तथा पीड़ित पक्ष की टिप्पणी, लेख या अन्य सामग्री प्रकाशित कराने का निर्देश दे सकेगी।



क्या किसी के याद करने से आती है हिचकी, क्या है इसके पीछे का साइंस?



एजेंसी। नई दिल्ली

क्या वाकई किसी के याद करने पर आती है हिचकी या इसके पीछे छिपा है कोई वैज्ञानिक कारण? जानें डायाफ्राम के सिकुड़ने और जल्दबाजी में खाना खाने से जुड़ा यह दिलचस्प सचजब भी हमें हिचकी आती तो अक्सर हमें यही कहा जाता है कि जब कोई व्यक्ति हमें याद करता है, तो हमें हिचकी आती है. यह बात इतनी आम हो चुकी है कि लोग हिचकी आते ही अपने दोस्तों या करीबियों का नाम याद करने लगते हैं. लेकिन क्या इस बात में थोड़ी सी भी सच्चाई है. चिकित्सा विज्ञान की मानें तो इसका किसी के याद करने या किसी भी तरह के भावनात्मक संबंध से कोई लेना-देना नहीं है. यह सिर्फ एक पुरानी सामाजिक मान्यता है जिसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है. विज्ञान के अनुसार, हिचकी आने की प्रक्रिया पूरी तरह से शारीरिक होती है और इसके पीछे हमारे शरीर का एक खास नर्वस सिस्टम काम करता है. मेडिकल साइंस के अनुसार, हिचकी आने का मुख्य कारण हमारे छाती और पेट के बीच स्थित एक मांसपेशी होती है, जिसे डायाफ्राम कहा जाता है. यह मांसपेशी हमारे फेफड़ों में सांस भरने और बाहर निकालने का काम करती है. सामान्य स्थिति में यह बहुत ही संतुलित तरीके से काम करती है. लेकिन जब किसी वजह से इस डायाफ्राम मांसपेशी में अचानक और अनैच्छिक सिकुड़न होने लगती है, तो हमारे सांस लेने की प्रक्रिया थोड़े समय के लिए प्रभावित होती है. इसी सिकुड़न के कारण गले में स्थित वोकल कॉर्ड्स बहुत तेजी से बंद हो जाते हैं, जिससे अचानक हवा रुकती है और हिच की आवाज निकलती है. मेडिकल एक्सपर्ट्स के अनुसार, डायाफ्राम में सिकुड़न पैदा करने के लिए हमारे शरीर की दो मुख्य नसें जिम्मेदार होती हैं, जिन्हें वेगस नर्व और फ्रेनिक नर्व कहा जाता है. जब इन नसों में किसी वजह से उत्तेजना या बेचैनी होती है, तो हिचकी शुरू हो जाती है. इसके कई सामान्य कारण हो सकते हैं, जैसे बहुत जल्दी-जल्दी भोजन चबाना, जरूरत से ज्यादा खाना खा लेना, या फिर काबोर्नेटेड ड्रिंक्स का अधिक सेवन करना. इन सभी स्थितियों में हमारा पेट अचानक फैल जाता है और डायाफ्राम पर दबाव बनाता है, जिससे यह समस्या खड़ी होती है. आमतौर पर हिचकी कुछ ही मिनटों में अपने आप ठीक हो जाती है. लेकिन अगर किसी व्यक्ति को लगातार 48 घंटे से ज्यादा समय तक हिचकी आती रहे, तो इसे मेडिकल की भाषा में परसिस्टेंट हिचकी कहा जाता है. डॉक्टरों के मुताबिक, लंबे समय तक हिचकी आने के पीछे पेट में ज्यादा एसिड बनना, नसों में कोई गंभीर समस्या, या कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं. ऐसी स्थिति में घरेलू नुस्खे अपनाने के बजाय तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए क्योंकि यह शरीर के अंदर चल रही किसी दूसरी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है.

क्या होता है डायाफ्राम का रोल

मेडिकल साइंस के अनुसार, हिचकी आने का मुख्य कारण हमारे छाती और पेट के बीच स्थित एक मांसपेशी होती है, जिसे डायाफ्राम कहा जाता है. यह मांसपेशी हमारे फेफड़ों में सांस भरने और बाहर निकालने का काम करती है. सामान्य स्थिति में यह बहुत ही संतुलित तरीके से काम करती है. लेकिन जब किसी वजह से इस डायाफ्राम मांसपेशी में अचानक और अनैच्छिक सिकुड़न होने लगती है, तो हमारे सांस लेने की प्रक्रिया थोड़े समय के लिए प्रभावित होती है. इसी सिकुड़न के कारण गले में स्थित वोकल कॉर्ड्स बहुत तेजी से बंद हो जाते हैं, जिससे अचानक हवा रुकती है और हिच की आवाज निकलती है.

इन वजहों से ट्रिगर होती है हिचकी

मेडिकल एक्सपर्ट्स के अनुसार, डायाफ्राम में सिकुड़न पैदा करने के लिए हमारे शरीर की दो मुख्य नसें जिम्मेदार होती हैं, जिन्हें वेगस नर्व और फ्रेनिक नर्व कहा जाता है. जब इन नसों में किसी वजह से उत्तेजना या बेचैनी होती है, तो हिचकी शुरू हो जाती है. इसके कई सामान्य कारण हो सकते हैं, जैसे बहुत जल्दी-जल्दी भोजन चबाना, जरूरत से ज्यादा खाना खा लेना, या फिर काबोर्नेटेड ड्रिंक्स का अधिक सेवन करना. इन सभी स्थितियों में हमारा पेट अचानक फैल जाता है और डायाफ्राम पर दबाव बनाता है, जिससे यह समस्या खड़ी होती है.

ज्यादा हिचकी आने का वैज्ञानिक कारण

आमतौर पर हिचकी कुछ ही मिनटों में अपने आप ठीक हो जाती है. लेकिन अगर किसी व्यक्ति को लगातार 48 घंटे से ज्यादा समय तक हिचकी आती रहे, तो इसे मेडिकल की भाषा में परसिस्टेंट हिचकी कहा जाता है. डॉक्टरों के मुताबिक, लंबे समय तक हिचकी आने के पीछे पेट में ज्यादा एसिड बनना, नसों में कोई गंभीर समस्या, या कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं. ऐसी स्थिति में घरेलू नुस्खे अपनाने के बजाय तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए क्योंकि यह शरीर के अंदर चल रही किसी दूसरी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है.

घरेलू उपाय और इसके पीछे का विज्ञान

सामान्य हिचकी को रोकने के लिए लोग पानी पीते हैं या कुछ देर के लिए सांस रोक लेते हैं. विज्ञान के नजरिए से देखें तो यह तरीके सच में काम करते हैं. जब आप कुछ सेकंड के लिए अपनी सांस रोकते हैं, तो शरीर के अंदर कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा थोड़ी बढ़ जाती है, जिससे डायाफ्राम को रिलैक्स होने का सिग्नल मिलता है। वहीं, अचानक ठंडा पानी पीने से वेगस नर्व का ध्यान भटक जाता है और डायाफ्राम की सिकुड़न सामान्य हो जाती है. इसलिए अगली बार जब भी हिचकी आए, तो यह न सोचें कि कोई आपको याद कर रहा है, बल्कि थोड़ा पानी पीकर अपने नर्वस सिस्टम को आराम दें.

